



श्रीमद्-आद्यशंकरभगवत्पाद-परंपरागत-मूलाम्नाय-
सर्वज्ञपीठ-श्री-कांची-कामकोटि-पीठं
जगद्गुरु-शंकराचार्यस्वामि-श्रीमठसंस्थानम्

श्रीमत्-शंकर-भगवत्पाद-सहस्रनामावलि:

1. श्रीगुरवे नमः
2. शुद्धहृदयाय नमः
3. श्रेयसे नमः
4. शांताय नमः
5. दयानिधये नमः
6. दांताय नमः
7. तितिक्षवे नमः
8. चंद्राभाय नमः
9. न्यस्तकर्मणे नमः
10. समाहिताय नमः
11. चटुलाय नमः
12. यतचित्ताय नमः

13. श्रद्धधानाय नमः
14. चिरंतनाय नमः
15. चापलाय नमः
16. चतुरास्येड्याय नमः
17. चरितव्रतकोविदाय नमः
18. चतुराय नमः
19. श्रुतिमौलिस्थाय नमः
20. शिवाय नमः
21. शुद्धप्रबोधकाय नमः
22. वशिने नमः
23. विश्वेश्वराय नमः
24. मुख्याय नमः
25. अमूल्याय नमः
26. मूलकृते नमः
27. मखिने नमः
28. मूर्धाभिषिक्ताय नमः
29. सर्वेशाय नमः
30. महादेवाय नमः
31. मदामदाय नमः
32. भवाय नमः
33. रुद्राय नमः
34. हराय नमः
35. मुग्धाय नमः
36. शर्वाय नमः

37. ईशानाय नमः
38. ईश्वराय नमः
39. महेशाय नमः
40. स्वस्तिकृते नमः
41. सुस्थाय नमः
42. स्थिराय नमः
43. स्थाणवे नमः
44. सुरार्चिताय नमः
45. शाश्वताय नमः
46. सौम्यवदनाय नमः
47. सिद्धयोगिनिषेविताय नमः
48. सोमाय नमः
49. सुधास्वच्छतनवे नमः
50. श्रीमते नमः
51. प्रेयसे नमः
52. जगत्पतये नमः
53. श्रीकंठाय नमः
54. श्रितवात्सल्याय नमः
55. शांभवाय नमः
56. शंकराभिधाय नमः
57. वीराय नमः
58. शुभविहारिणे नमः
59. शुद्धब्रह्मैक्यमूर्तिमते नमः
60. अखिलाय नमः

61. अखिलऋग्गम्याय नमः
62. भूतात्मने नमः
63. भूतकृते नमः
64. विभवे नमः
65. आज्ञाकृते नमः
66. अमरोद्योगिने नमः
67. कलिभीतसुरार्थिताय नमः
68. गुहादेशिने नमः
69. गुहागेहिने नमः
70. विष्णुब्रह्मनिदेशकृते नमः
71. गुह्याय नमः
72. गुहाशयाय नमः
73. गूढाय नमः
74. भूरिदाय नमः
75. भूतिकृते नमः
76. बुधाय नमः
77. भूभृत्स्थाय नमः
78. भूतिभृते नमः
79. भूभुजे नमः
80. भूतेशाय नमः
81. भूतभावनाय नमः
82. भद्राय नमः
83. भव्याय नमः
84. भवभिषजे नमः

85. भक्तपूज्याय नमः
86. पिनाकभृते नमः
87. मंडलात्मने नमः
88. मधुरवाचे नमः
89. स्मिताय नमः
90. मान्याय नमः
91. मधवे नमः
92. मुनये नमः
93. महातेजसे नमः
94. महितवाचे नमः
95. अलंकाराय नमः
96. अमलाय नमः
97. अनघाय नमः
98. बालाय नमः
99. अबलैषणामुक्ताय नमः
100. आर्यभुवे नमः
101. आर्यसंश्रयाय नमः
102. शीलिने नमः
103. शिवगुरुप्रेष्ठाय नमः
104. आर्याबासुप्रजायै नमः
105. शिवाय नमः
106. परात्पराय नमः
107. त्रयस्त्रिंशत्कोटिदेवसुसन्नुताय नमः
108. उदारधिये नमः

109. सत्यरूपाय नमः
110. कालटीजननाय नमः
111. अद्वयाय नमः
112. विद्यापतये नमः
113. वटवे नमः
114. वेद्याय नमः
115. चिन्मयाय नमः
116. चूर्णिकाप्रियाय नमः
117. श्रीमात्रार्थितगार्हस्थाय नमः
118. श्रेयोधिये नमः
119. श्रितदेशिकाय नमः
120. श्रीमुखाय नमः
121. श्रीधराय नमः
122. शुष्मिणे नमः
123. शासित्रे नमः
124. शुचये नमः
125. उज्ज्वलाय नमः
126. साधवे नमः
127. स्थेयसे नमः
128. संयियंसवे नमः
129. सरिदाप्लुतविग्रहाय नमः
130. ग्राहग्रहव्याजलब्धप्रसूसन्न्याससम्मतये नमः
131. सन्न्यस्ताय नमः
132. संयमिने नमः

133. प्रैषिणे नमः
134. संसारत्यागतत्पराय नमः
135. अर्चिष्मते नमः
136. आत्तगोविंदाय नमः
137. प्रस्थिताय नमः
138. प्राप्तसद्गुरवे नमः
139. आमोदिने नमः
140. निगमांतज्ञाय नमः
141. एकानंदरसात्मकाय नमः
142. श्रीब्रह्मसूत्रव्याख्यात्रे नमः
143. एकदंडाय नमः
144. कषायभृते नमः
145. भक्तप्रपंचसच्छात्राय नमः
146. गोविंदभगवत्प्रियाय नमः
147. हरिसब्रह्मचारिणे नमः
148. स्पृष्टगौडपदांबुजाय नमः
149. मातंगश्रीमहादेवीयोक्तिस्थापितसन्मताय नमः
150. यतितीर्थादिपुर्वतसंप्रदायप्रवर्तकाय नमः
151. बादरायणवाग्वादिने नमः
152. बहुशिष्यपरीवृताय नमः
153. पद्मपादसनाथाय नमः
154. योगप्राप्तहराचलाय नमः
155. आनीतलिंगकुलकाय नमः
156. आनंदलहरीग्रहाय नमः

157. केदारेशप्रतिष्ठात्रे नमः
158. नेपालवरलिंगकृते नमः
159. काश्मीरादिक्षेत्रवासिने नमः
160. दुर्वादिमतखंडनाय नमः
161. श्रीहस्तिगिरिनाथादिदिव्यक्षेत्रचराय नमः
162. सुधिये नमः
163. रुद्धभट्टोक्तिराद्धांताय नमः
164. जितमंडनभारतये नमः
165. परकायप्रवेशाप्तपांचशर्यमहागमाय नमः
166. गुहानृसिंहसंस्तावलब्धदग्धकरांबुजाय नमः
167. सरस्वतीजयाध्मातयतीश्वरसुरेश्वराय नमः
168. हस्तामलकसेव्यांघ्रये नमः
169. तोटकार्यसुसेविताय नमः
170. चित्सुखोदंकसच्छात्रवंदितांघ्रये नमः
171. गुणांबुधये नमः
172. इच्छालब्धगिरीशात्मने नमः
173. गौरीकांताय नमः
174. गुरुत्तमाय नमः
175. गुरुराजाय नमः
176. गुणिने नमः
177. गोप्त्रे नमः
178. गोपनाय नमः
179. नराकृतये नमः
180. निर्ममाय नमः

181. नरकारातये नमः
182. नम्याय नमः
183. नाथाय नमः
184. निरंजनाय नमः
185. निस्स्पृहाय नमः
186. निष्कलाय नमः
187. नित्याय नमः
188. नामरूपविवेकवते नमः
189. नालीकाय नमः
190. निष्क्रियाय नमः
191. नीरुजे नमः
192. निराशिषे नमः
193. निरामयाय नमः
194. निर्नतये नमः
195. निःस्वधाकाराय नमः
196. निःस्वाहाकृते नमः
197. निरीश्वराय नमः
198. नीरूपकाय नमः
199. निर्गुणाय नमः
200. निष्कर्मणे नमः
201. निर्व्यथाय नमः
202. वशिने नमः
203. निर्लेपाय नमः
204. नित्यपुष्टाय नमः

205. हृष्टाय नमः
206. तुष्टजनाश्रयाय नमः
207. साक्षात्कारिणे नमः
208. सन्निधानाय नमः
209. सूरये नमः
210. सायंगृहाय नमः
211. यमिने नमः
212. सते नमः
213. सात्वते नमः
214. सात्त्विकाय नमः
215. सभ्याय नमः
216. सर्वमित्राय नमः
217. स्मरांतकाय नमः
218. सशिष्याय नमः
219. संग्रहिणे नमः
220. ज्यायसे नमः
221. बलिने नमः
222. वाग्मिने नमः
223. मितोक्तिकृते नमः
224. वाचंयमाय नमः
225. वरिष्ठाय नमः
226. व्याख्यानाव्यायिकापटवे नमः
227. परमाय नमः
228. परिभुवे नमः

229. प्रौढाय नमः
230. प्राज्ञाय नमः
231. प्रीताय नमः
232. प्रियंवदाय नमः
233. प्रातर्दिने नमः
234. दहयोगिने नमः
235. प्रह्वाय नमः
236. प्रश्ननिरूपणाय नमः
237. पारंगताय नमः
238. पाशमुक्ताय नमः
239. परविदे नमः
240. प्रत्यगीक्षित्रे नमः
241. अधिष्ठानविदे नमः
242. अव्याजाय नमः
243. एकवादिने नमः
244. द्वयासहाय नमः
245. स्वभुवे नमः
246. स्वराजे नमः
247. विराजे नमः
248. मौनिने नमः
249. स्वप्रकाशाय नमः
250. स्वयंप्रभवे नमः
251. महते नमः
252. अरूपाय नमः

253. अव्यक्ताय नमः
254. परस्मै ज्योतिषे नमः
255. परस्मै पदाय नमः
256. परस्मै धाम्ने नमः
257. परस्यै काष्ठायै नमः
258. परस्यै शक्त्यै नमः
259. परस्यै गत्यै नमः
260. परस्मै ओकसे नमः
261. परस्मै वस्तुने नमः
262. परस्मै ब्रह्मणे नमः
263. परस्मै पुरो नमः
264. परायणाय नमः
265. परस्मै भावाय नमः
266. प्रशांतात्मने नमः
267. प्रसादकाय नमः
268. प्रज्ञानघनमूर्तये नमः
269. प्रशास्त्रे नमः
270. प्रत्यगर्थवते नमः
271. विज्ञात्रे नमः
272. विश्वकृते नमः
273. वेधसे नमः
274. वेदवेद्यस्ववैभवाय नमः
275. सत्यव्रताय नमः
276. सत्यपराय नमः

277. त्रिसत्याय नमः
278. सत्यनायकाय नमः
279. सत्यप्रतिष्ठाय नमः
280. सत्याशिषे नमः
281. सत्यार्थप्रेरकाय नमः
282. समाय नमः
283. ईक्षित्रे नमः
284. सच्चिदानन्दस्वरूपाय नमः
285. सदसत्पराय नमः
286. सत्यरूपाय नमः
287. सत्यसंस्थाय नमः
288. नगेशाय नमः
289. छात्रमानिताय नमः
290. नारदादिनुताय नमः
291. नम्राय नमः
292. नारीनरनवाकृतये नमः
293. व्यासजैमिनिवाग्वादिने नमः
294. शारदाविजयिने नमः
295. शमिने नमः
296. सुरेश्वराचार्यदत्तस्वाश्रमाय नमः
297. सूरिकेसरिणे नमः
298. अंकितादिब्रात्यकृत्यदूरवैदिकवर्त्मकृते नमः
299. कुकूलानलकूटस्थकुमारिलकृतानतये नमः
300. कुतर्ककर्कशक्षमाभृत्कुलिशाय नमः

301. कविकेसरिणे नमः
302. कुवादिमदमत्तेभपंचास्याय नमः
303. कलिनाशनाय नमः
304. योगरोगहराय नमः
305. सांख्यसंख्यावते नमः
306. अमितद्युतये नमः
307. जितजैनप्रतिष्ठंभस्तंभनोच्चाटनामनवे नमः
308. वैशेषिकविशेषोक्तिविशोषणविचक्षणाय नमः
309. निरस्तद्वैतिमूर्धन्यशैवभागवतागमाय नमः
310. कांचीनगरनिर्मातृराजसेननृपार्चिताय नमः
311. वरदालयनिर्मात्रे नमः
312. एकाम्रनाथपदोद्धराय नमः
313. गुहास्थचित्कलाचांड्यखंडनाय नमः
314. कालखंडनाय नमः
315. कामकोष्ठधराक्रीडाय नमः
316. कामकोटिपदाश्रयाय नमः
317. कामाक्षीवरिवस्याकृते नमः
318. कालहस्तीश्वरार्चनाय नमः
319. क्लृप्तसोपानसुप्रापशेषाचलशिरःपदाय नमः
320. दिव्याय नमः
321. दीव्यद्वह्मवर्चसे नमः
322. दीनरक्षिणे नमः
323. दरापहाय नमः
324. देवदेवाय नमः

325. दीनबंधवे नमः
326. दयिताय नमः
327. दीनदैन्यहृते नमः
328. दोषदूराय नमः
329. दुष्टरिपवे नमः
330. दुर्वासःश्लाघिताय नमः
331. अदराय नमः
332. द्रविणाद्येषणात्याग्निने नमः
333. दोषज्ञाय नमः
334. दूरदर्शनाय नमः
335. दीर्घदर्शिने नमः
336. दौःस्थ्यदूराय नमः
337. दारिद्र्यदमनाय नमः
338. दयिने नमः
339. दलिताशेषधीदोषाय नमः
340. विस्तृताद्वैतवैभवाय नमः
341. क्षेत्राटनक्रमभ्रांतकृत्स्नभारतमंडलाय नमः
342. कैलाससेविने नमः
343. बदरीनारायणपदाश्रयाय नमः
344. कामरूपार्चनाय नमः
345. अकामाय नमः
346. काश्मीरेश्वरसेवकाय नमः
347. अवंतीद्वारकायोध्यामायाकांचीमहीप्रियाय नमः
348. कालीघट्टहरिद्वारजंबुदेवीप्रयागगाय नमः

349. श्रीशैलेशजगन्नाथपुरुषोत्तमभीमगाय नमः
350. त्र्यंबकोज्जयिनीविंध्यवासिनीसेवनापराय नमः
351. सेतुकन्याकुमारीगाय नमः
352. जनार्दनजनार्तिघ्ने नमः
353. अनंतपुरवैयाघ्रवृषाचलपदाश्रयाय नमः
354. कालटीकलभाय नमः
355. कल्याय नमः
356. सरःशरझरीचराय नमः
357. कृत्स्नकर्णाटपांड्यांध्रचेरचोलमहीचराय नमः
358. श्रीनीपतिल्वन्यग्रोधछायाश्वेतवनाश्रयाय नमः
359. मान्यश्रीरंगमधुरार्जुनशायिपुराश्रयाय नमः
360. अखिलांडेश्वरीरत्नताटकन्यस्तयंत्रराजे नमः
361. कांचीगुहाच्छदन्यस्तचक्रराजपरिस्तराय नमः
362. भूम्यप्तेजोनिलाकाशलिंगसेवाधृतादराय नमः
363. सत्यव्रतस्थलस्थायिने नमः
364. कामकोटिमठास्पदाय नमः
365. चिदंबरसभान्यस्तमोक्षलिंगाय नमः
366. अलिंगकाय नमः
367. ऋश्यश्रृंगाश्रमन्यस्तभोगलिंगाय नमः
368. ऋतंभरिणे नमः
369. शारदामान्यसंदेशाय नमः
370. सर्वज्ञाय नमः
371. सर्वपापनुदे नमः
372. शारदामठसंस्कृतशारदापीठपावनाय नमः

373. शारदास्थापनापूतऋश्यशृंगगिरिस्थलाय नमः
374. अशरीरवचोव्यूढकामकोटिमठस्थितये नमः
375. कामकोटिमहापीठमध्यदृश्यमहामणये नमः
376. कालघ्नाय नमः
377. कामदुहे नमः
378. कांताय नमः
379. शारदाजैत्रवाङ्मुखाय नमः
380. कामकोटिधरागोष्ठिने नमः
381. कर्मदिकुलशेखराय नमः
382. शिष्यसंघपरज्ञानव्रततीदोहदप्रदाय नमः
383. मठाम्नायमहाम्नायसेतुकेरलधर्मकृते नमः
384. पुर्यततीर्थप्रमुखशिष्यागमविवेचनाय नमः
385. आनन्देंद्राभिधापूर्वसरस्वत्याह्वयागमाय नमः
386. आनन्दमयजानंदिवाग्जयख्यातवाक्पदाय नमः
387. योगेश्वरार्चानिरताय नमः
388. योग्याय नमः
389. योगविदां वराय नमः
390. सुस्थिताय नमः
391. सुस्थिराय नमः
392. स्निग्धाय नमः
393. स्थास्त्रवे नमः
394. स्थेम्ने नमः
395. स्थितिप्रदाय नमः
396. सत्यव्रतपदप्राप्तब्रह्मीभावाय नमः

397. अशरीरवते नमः
398. दुस्तरापारसंसारपारतारणकृत्तरये नमः
399. कृत्तारिवर्गसंशांतस्वांतलक्ष्यस्ववैभवाय नमः
400. अनातुराय नमः
401. अतुलिताय नमः
402. सद्वृत्ताय नमः
403. साधुदर्शनाय नमः
404. षड्दर्शनीपारदृश्वने नमः
405. षडध्वातीतमानसाय नमः
406. अदोषाय नमः
407. दुर्जयाय नमः
408. अदूनाय नमः
409. दुर्धर्षाय नमः
410. अपुनर्भवाय नमः
411. शुद्धाय नमः
412. बुद्धाय नमः
413. प्रबुद्धात्मने नमः
414. सिद्धाय नमः
415. प्रेद्धाय नमः
416. समुद्धराय नमः
417. समिद्धाय नमः
418. प्रतिभाविद्धाय नमः
419. सारज्ञाय नमः

420. सर्वशास्त्रविदे नमः
421. सुधास्वादुवचसे नमः
422. सूक्ष्ममतये नमः
423. मोहतमोरवये नमः
424. महायशसे नमः
425. महाशीलाय नमः
426. महौजसे नमः
427. महामुनये नमः
428. महनीयाय नमः
429. महासत्त्वाय नमः
430. माननार्हाय नमः
431. महार्थविदे नमः
432. मायातत्त्वविदे नमः
433. अव्यग्राय नमः
434. महीमंडलपंडिताय नमः
435. मातृकृत्यासाह्यकर्मशप्तकेरलभूसुराय नमः
436. यथाप्रतिश्रवाचीर्णस्मृतमातृप्रतिश्रुतये नमः
437. रवींदुदृशे नमः
438. दोर्मथोत्थाग्निसंदीपितांबिकाय नमः
439. रसज्ञाय नमः
440. रसिताम्नायाय नमः
441. रागद्वेषहराय नमः
442. महते नमः
443. राजयोगिने नमः

444. आप्तकामाय नमः
445. निराशाय नमः
446. मातृवत्सलाय नमः
447. कामतंत्रकलाप्त्यर्थकायांतरनिवेशनाय नमः
448. काव्यरत्नविनिर्माणलब्धोदात्तकविप्रथाय नमः
449. माधुर्यधुर्यफणितये नमः
450. मधुराधीशमानिताय नमः
451. ज्योतिःपुरेशविनुताय नमः
452. पारेजयपुरस्थितये नमः
453. विरूपाक्षस्थलासेविने नमः
454. विजयाख्यपुरीचराय नमः
455. विदिशादेशविहृतये नमः
456. विश्वनाथपदप्रियाय नमः
457. पाटलीपुत्रसंस्थानाय नमः
458. विष्णुपादप्रसेवनाय नमः
459. गयावटद्रुमूलस्थाय नमः
460. भद्राचलनिरूढधिये नमः
461. वृंदावनांतसंचारिणे नमः
462. व्यासाचलबिलाश्रयाय नमः
463. ओंकारकुंडविहृतये नमः
464. मल्लिकार्जुनमग्नधिये नमः
465. श्रीपंचनदपंचास्यशिष्यषंडनिषेविताय नमः
466. अहोबिलगुहारामाय नमः
467. कमलाक्षाय नमः

468. कलानिधये नमः
469. कलिध्वंसिने नमः
470. कामरूपाय नमः
471. कामचाराय नमः
472. कलामयाय नमः
473. परमेष्ठिने नमः
474. वशप्राणाय नमः
475. कामाक्षीसेवनोत्सुकाय नमः
476. प्राणदाय नमः
477. प्रणयिने नमः
478. पुष्टाय नमः
479. सर्वतंत्रस्वतंत्रधिये नमः
480. स्वतंत्रात्मने नमः
481. नास्तिकांतकृते नमः
482. प्रधिये नमः
483. आसनाध्वविदे नमः
484. दग्धक्षपणकोत्सेधाय नमः
485. दाक्षिण्यनिधये नमः
486. अक्षताय नमः
487. दक्षाय नमः
488. दक्षिणादिक्सिद्धाय नमः
489. कालत्रयविदे नमः
490. आस्तिकाय नमः
491. आदेष्ट्रे नमः

492. अपौरुषाय नमः
493. ध्वस्तकापालिकमतक्रमाय नमः
494. कामिनीविमुखाय नमः
495. काम्याय नमः
496. कर्मत्यजे नमः
497. कर्मणाय नमः
498. कृतिने नमः
499. कल्याणगुणशीलाय नमः
500. क्रियामुक्ताय नमः
501. कृपाघनाय नमः
502. कीर्तिमते नमः
503. कृतयोगेशपूजात्रातजगज्जनाय नमः
504. धम्मिल्लपुरराज्यश्रीबालार्चननृपार्चिताय नमः
505. वेदांतभास्कराय नमः
506. ज्ञानचंद्राय नमः
507. ऐश्वर्यवारिधये नमः
508. नेपालदेशभूपालवृषदेवोपदेशकृते नमः
509. कैलासकूटसंस्कृतपशुपत्यर्चनाविधये नमः
510. सौगतव्रातनिष्कासपटवे नमः
511. वैराग्यबोधकाय नमः
512. सुधीमणये नमः
513. दिव्यदर्शिने नमः
514. देवदैत्यहृते नमः
515. अभ्रमाय नमः

516. प्रसन्नकमलादत्तदरिद्रब्राह्मणीनिधये नमः
517. संपुल्लकुसुमप्रख्यमंदमंदस्मितांकुराय नमः
518. चिन्मुद्रापरिधूतांतेवासिपुंगवसंशयाय नमः
519. हरिहारिवचोहासभस्मसात्कृतभैरवाय नमः
520. समाश्रितसुधन्वात्तपादुकानित्यपूजनाय नमः
521. नमःशेषिणे नमः
522. नामपराय नमः
523. नंदिताशेषविष्टपाय नमः
524. एकदंडिने नमः
525. कषायिने नमः
526. मुंडिने नमः
527. खंडितसौगताय नमः
528. दिगंबरदिदुःसिद्धसिद्धांतविनिबर्हणाय नमः
529. मल्लिकाश्वेतदशनाय नमः
530. महिलादूरमानसाय नमः
531. कामारिमूर्तये नमः
532. कुतुकिने नमः
533. कमनीयगुणाकराय नमः
534. सोमोद्भवातटीक्लृप्तसौम्यगोविंदसेवनाय नमः
535. मालिकाप्रियचालुक्यराजपूजितविग्रहाय नमः
536. अत्याश्रमवरिष्ठाय नमः
537. श्रिये नमः
538. श्रितकल्पद्रुमाय नमः
539. अश्रमाय नमः

540. मरुद्वृधाजलस्त्रायिने नमः
 541. घटोद्भवसुदर्शनाय नमः
 542. स्वयंविनम्रवृक्षाग्रशाखार्पितफलाशनाय नमः
 543. वर्षद्वलाहकोन्मुक्तनीरासाराध्वमध्यगाय नमः
 544. समुज्ज्वलद्वज्वालादत्तवीथीवनाश्रयाय नमः
 545. शरारुमृगनिर्व्यूढसरणीयसृतिक्रमाय नमः
 546. सदानुकूलपवनाय नमः
 547. वसिष्ठाय नमः
 548. वाग्यताय नमः
 549. वराय नमः
 550. समीभवत्समुत्पाताय नमः
 551. पांसून्मुक्तपथांतराय नमः
 552. तुषारशीकरस्पृष्टश्लिष्टपिष्टादनक्रियाय नमः
 553. मकरंदझरीमान्यमधुरोक्तये नमः
 554. महाकवये नमः
 555. कमंडलूदरकोडीकृतकल्लोलिनीझराय नमः
 556. अमृष्टभस्मक्लिन्नांशुकांतनीरचरस्थितये नमः
 557. वेलाधामव्युदस्ताब्धये नमः
 558. मृतसंजीवनेक्षणाय नमः
 559. महाव्याधिप्रशमनाय नमः
 560. मदघ्नाय नमः
 561. मृगवश्यकृते नमः
 562. जडकुब्जादिसंभाषिणे नमः

563. लतापुष्पकृतार्चनाय नमः
564. सौवस्तिकक्रोष्टुबृन्दाय नमः
565. सौखसुप्तिककौशिकाय नमः
566. सौप्राभातिककाकोलाय नमः
567. सौखासनिकपन्नगाय नमः
568. सौखगायनकृद्भेकाय नमः
569. सौवातिथ्यकपुष्पलिहे नमः
570. सौवागतिकशार्दूलाय नमः
571. सौखोन्मृष्टिकवृश्चिकाय नमः
572. सौस्नातिकप्रस्रवणाय नमः
573. सौवभ्यंजनिकांबुदाय नमः
574. सौवीजितिकवातूलाय नमः
575. सौवनातपिकद्रुमाय नमः
576. सौवासितिकपंचास्याय नमः
577. सौबंधसिकवाहसाय नमः
578. सौविहासिकमत्तेभाय नमः
579. सौवध्युषितकृद्गुहाय नमः
580. सौप्रस्थितककांताराय नमः
581. सौशाकुनिकमौकलाय नमः
582. सौवापीतिकवेशंताय नमः
583. सौजग्धिकफलेग्रहये नमः
584. सौविलिप्तिकभूधूलये नमः
585. सौवस्त्रकपटच्चराय नमः

586. सौजापितिकभल्लूकाय नमः
587. सौवधीतिकचातकाय नमः
588. सौसंविष्टिकगोपुच्छाय नमः
589. सौवुद्धीतिककोकिलाय नमः
590. सौखप्रबुद्धिकश्वाविधे नमः
591. सौवाह्निकदिवाकराय नमः
592. सौरात्रिकतुषारांशवे नमः
593. सौयामिकदिवानिशाय तमः
594. अवाचे नमः
595. अकायाय नमः
596. अचित्ताय नमः
597. दंडिने नमः
598. द्वैततमोरवये नमः
599. षड्गुणाय नमः
600. सप्तभंगीस्याद्वादभेदिने नमः
601. अष्टसिद्धिमते नमः
602. त्र्यक्षमूर्तये नमः
603. चतुर्वर्गसुरभये नमः
604. बुद्धिवेषित्रे नमः
605. श्रीनवावरणार्चादिविद्याचार्याय नमः
606. अदशाय नमः
607. अजराय नमः
608. रुद्रैकादशिनीजापस्त्रपितार्धेदुशेखराय नमः

609. निर्गन्धाय नमः
610. न्यस्तकर्मौघाय नमः
611. निःश्रेयसरताय नमः
612. अरतये नमः
613. निरन्ताय नमः
614. नीरुजाय नमः
615. अनीडाय नमः
616. नियमव्रजधूर्वहाय नमः
617. निगुंभशतनिर्दिष्टनिर्दुष्टाद्वैतपद्धतये नमः
618. संक्षेपशारीरककृत्सर्वज्ञात्मार्षितासनाय नमः
619. नैष्कर्म्यसिद्धिकृद्द्वार्तिककृद्देवेश्वरांतराय नमः
620. प्लुष्टटीकापंचपादीपाठतोषितपद्मपदे नमः
621. हस्तामलकिताध्यात्महस्तामलकहंसकाय नमः
622. बहुमंदानंदगिरितोटकप्रकटाग्र्यधिये नमः
623. चित्सुखाचार्यक्लृप्तात्मचर्याविख्यापिताश्रमाय नमः
624. उपदेशसहस्रादिप्रथितप्रकटाद्वयाय नमः
625. आम्रायाष्टकनिर्दोष्टे नमः
626. मध्यमाम्नायनिष्ठिताय नमः
627. विजृम्भणदशाध्वस्ततथागतपथागताय नमः
628. द्वारकामठनिर्मात्रे नमः
629. कालिकापीठकल्पकाय नमः
630. सिद्धेश्वरसपर्याकृते नमः
631. भद्रकालीप्रसादनाय नमः

632. छंदोगाय नमः
633. कीटवारस्थाय नमः
634. गोमतीतीर्थसेवनाय नमः
635. स्वरूपब्रह्मचार्यार्यपद्मपादनिदेशकृते नमः
636. आश्रमिणे नमः
637. तत्त्वमस्यादिमहावाक्यार्थरूपवते नमः
638. ज्योतिर्मठकराय नमः
639. ज्योतिष्मतीपीठनिदेशकृते नमः
640. बदर्याश्रमसंस्थानाय नमः
641. अलकनंदावगाहनाय नमः
642. आथर्वणांगिरोवेदिने नमः
643. श्रीपूर्णांगिरिसेवकाय नमः
644. गोवर्धनमठीनाथाय नमः
645. गिरियोगपटाश्रयाय नमः
646. पुरुषोत्तमसत्क्षेत्रिणे नमः
647. विमलापीठकल्पकाय नमः
648. शतानंदाय नमः
649. शतौजसे नमः
650. दशेंद्रियविनिग्रहाय नमः
651. श्रीतुंदिलितदेशश्रीऋश्यशृंगगिरिश्रयिणे नमः
652. शारदावचनख्यातव्याख्यापीठाधिरोहणाय नमः
653. रामचंद्रपुरक्षेत्रिणे नमः
654. तुंगभद्रातटाश्रमिणे नमः
655. वराहदेवतासारशारदाह्वयशक्तिभृते नमः

656. भूरिवारिणे नमः
 657. कृष्णयजुर्वेदिने नमः
 658. श्रीभारतीपदाय नमः
 659. विभंडकाधिष्ठानस्थमलहानिकरेशदृशे नमः
 660. विरूपाक्षमहादेवमहनीयपदाश्रयाय नमः
 661. मनीषिमंडलीमान्यमौलाम्नायमहागुरवे नमः
 662. प्राच्यप्रतीच्यावाच्योदीच्याम्नायादिमदेशिकाय नमः
 663. प्राच्याम्नायसुविन्यस्तहस्तामलकसंस्तुताय नमः
 664. प्रतीच्याम्नायसंदेशनानंदितसनंदनाय नमः
 665. अवाच्याम्नायनिक्षिप्तपृथ्वीधरनतांग्रिकाय नमः
 666. उदीच्याम्नायजानंदानंदगिर्यभिवंदिताय नमः
 667. कामकोटीपीठपतये नमः
 668. कंपावेगवतीचराय नमः
 669. एकाम्रनाथचरणसरोजातमधुव्रताय नमः
 670. कामाक्षीचरणद्वंद्वपादुकार्चनतत्पराय नमः
 671. ऋग्वेदात्मने नमः
 672. परब्रह्मव्यवस्थापनधीरधिये नमः
 673. सत्यव्रतसमाख्यातकांच्यंतरितविग्रहाय नमः
 674. सर्वज्ञपीठाध्यारोहलुप्तसार्वज्ञ्यसंशयाय नमः
 675. सुरेश्वरादिसच्छात्रसमाराधितपादुकाय नमः
 676. मीमांसाद्वयपारीणाय नमः
 677. काणादाक्षपदाध्वविदे नमः
 678. द्वात्रिंशदायुःकलितत्रिःप्रदक्षिणभूतलाय नमः
 679. आसेतुहिमशैलांतधर्मस्थापनदेशिकाय नमः

680. विद्यावशीकृताशेषदेशविद्वज्जनार्चिताय नमः

681. जगद्गुरवे नमः

682. जगद्योनये नमः

683. शास्त्रयोनये नमः

684. समन्वयिने नमः

685. स्पष्टास्पष्टब्रह्मलिंगिने नमः

686. सांख्ययोगविमर्शकृते नमः

687. वैयाकरणधीशोधिने नमः

688. वसिष्ठाय नमः

689. ककुबंभराय नमः

690. गौतमीयवचोमुद्रिणे नमः

691. वैशेषिकमदापहाय नमः

692. शौद्धोदनिमदोत्सादिने नमः

693. जैमिनीयकुट्टिहते नमः

694. दिगंबरनयांतघ्नाय नमः

695. ध्वस्तपाशुपतक्रियाय नमः

696. शून्यात्मवादनिर्हर्त्रे नमः

697. भिन्नभागवतागमाय नमः

698. विनोदनिर्मितप्रौढन्यायगंभीरभाष्यकृते नमः

699. व्याख्यातजीवचरिताय नमः

700. विश्वसृष्टिविशारदाय नमः

701. स्थितिसीमाविभागज्ञाय नमः

702. प्रलयार्थप्रकाशकाय नमः

703. संसारतत्त्वसंख्यावते नमः

704. मायातत्त्वनिरूपणाय नमः
 705. समूलाविद्यकाध्यारोपोन्मूलनविचक्षणाय नमः
 706. संसारतारणोपायसंदर्शनपटिष्ठवाचे नमः
 707. रसिकाह्लादजनकमहावाक्यचमत्कृतये नमः
 708. ध्वनिप्रधानामरुकशतश्लोकीमहाकवये नमः
 709. ब्रह्मसूत्रब्रह्मशिखागीताप्रस्थानभाष्यकृते नमः
 710. प्रत्यग्ब्रह्मैक्यबोधाध्वदर्शिने नमः
 711. मोक्षाध्वदर्शकाय नमः
 712. निरंतरकृतान्नायशिरोनिगदशीलनाय नमः
 713. वेदांतवनहर्यक्षाय नमः
 714. तत्त्वज्ञानमहोदधये नमः
 715. तरुणाय नमः
 716. तरुणीदूराय नमः
 717. तारापतिसमच्छवये नमः
 718. तारकब्रह्मतत्त्वज्ञाय नमः
 719. तपस्विने नमः
 720. तापसानुगाय नमः
 721. तापत्रयविनिर्मुक्ताय नमः
 722. नलिनोक्तिनिरासकृते नमः
 723. अलंकृतिने नमः
 724. अतिमान्यश्रियै नमः
 725. आत्मविदे नमः
 726. ब्रह्मवित्तमाय नमः
 727. ब्रह्मण्याय नमः

728. ब्रह्मभूताय नमः
 729. स्वाधिष्ठानांचितकांचिगाय नमः
 730. कृतपुण्यस्थलीयात्राय नमः
 731. ऊर्ध्वाम्नायार्थतत्त्वविदे नमः
 732. कैवल्यक्षेत्रविजयिने नमः
 733. शुद्धमानसतीर्थकाय नमः
 734. सुमेरुमूलसंचारिणे नमः
 735. मायाशक्तिविभावनाय नमः
 736. सत्यज्ञानाभिधाह्वानिने नमः
 737. अखंडानंदमूर्तिमते नमः
 738. सोहंशिवोहंवाक्यश्रियै नमः
 739. प्रत्यगाम्नायवेदनाय नमः
 740. निरंजनेश्वरासेविने नमः
 741. श्रीकराय नमः
 742. संप्रदायभृते नमः
 743. विद्यापीठमहायोगिने नमः
 744. परमात्ममठाश्रयाय नमः
 745. त्रिपुटीतीर्थविहृतये नमः
 746. योगक्षेत्रदिवाकराय नमः
 747. श्रीविद्याशक्तिजपनाय नमः
 748. मंत्रिणे नमः
 749. संतोषनैगमिने नमः
 750. परहंसपरिव्राजे नमः
 751. श्रीसिद्धाख्यब्रह्मचर्यभृते नमः

752. मातृकैकमहावाक्याय नमः
 753. क्षेत्रज्ञाय नमः
 754. अक्षरतः पराय नमः
 755. निष्कलाम्नायनिरताय नमः
 756. शांतिदांतियुताय नमः
 757. चित्त्यै नमः
 758. आनन्दपीठसंविष्टाय नमः
 759. स्वानुभूतिपदाश्रयाय नमः
 760. श्रद्धामैत्र्यादिनिर्ज्ञेयाय नमः
 761. सच्चिन्मठसमाश्रयाय नमः
 762. नभस्तीर्थाय नमः
 763. नभोदर्शिने नमः
 764. नभसे नमः
 765. चिच्छक्तिचिंतनाय नमः
 766. प्रणवप्रणयिने नमः
 767. नम्रिणे नमः
 768. नन्दगोपजपूजकाय नमः
 769. भूम्ने नमः
 770. ब्रह्मानन्दनाम्ने नमः
 771. कूटस्थाय नमः
 772. अक्षराय नमः
 773. इष्टदाय नमः
 774. पराक्प्रत्यगभिन्नाय नमः
 775. सकलात्मने नमः

776. अकलाय नमः
 777. पुरवे नमः
 778. पुरुषाय नमः
 779. पुष्कलाय नमः
 780. पूर्णाय नमः
 781. सत्तामात्राय नमः
 782. पुरातनाय नमः
 783. भोगयोगिने नमः
 784. योगभोगिने नमः
 785. भुवनात्मने नमः
 786. वनेचराय नमः
 787. भूतिकृते नमः
 788. भूतिदाय नमः
 789. भूताय नमः
 790. भूरिशाय नमः
 791. भूतभावुकाय नमः
 792. चक्रभृते नमः
 793. चक्रराजार्चासंप्रदायप्रवर्तकाय नमः
 794. चक्रिभूषणभूतात्मने नमः
 795. चक्रपाणिनिषेविताय नमः
 796. चक्रवर्तिशिरोभूषाशेषायितनखच्छवये नमः
 797. चामीकरीकृतामत्रदरिद्रब्राह्मणीगृहाय नमः
 798. चतुरोदारगंभीरवाक्यनिर्भरवादकृते नमः
 799. चंचलाय नमः

800. चंद्रचूडात्मने नमः
801. जितचंपकनासिकाय नमः
802. चर्चिताशेषभूचक्रसंचारिमतसंचयाय नमः
803. चालिताद्वैतविज्ञानाय नमः
804. चराय नमः
805. चित्रिणे नमः
806. चिदंबराय नमः
807. चीर्णसत्यव्रतस्थानचिरंतनसुखासिकाय नमः
808. चूर्णितच्छात्रहृद्रंथये नमः
809. चूर्णपूर्णदुरास्यकृते नमः
810. प्रतिष्ठापकधौरैयाय नमः
811. प्रतिष्ठितमहायशसे नमः
812. प्रौढविज्ञानवादिस्थगर्वसर्वकषोदिताय नमः
813. नंदिताशेषभूचारिणे नमः
814. यतिधर्मविमर्शकृते नमः
815. दर्शिताध्यात्मयाथात्म्याय नमः
816. सुधीसंघनिषेविताय नमः
817. नदीनदसरस्तीर्थाप्लावपावितविग्रहाय नमः
818. पंडितव्रातपांडित्यप्रमोषणपटूदिताय नमः
819. तत्पदार्थप्रकटनाय नमः
820. त्वंपदार्थविवेककृते नमः
821. नित्यानंदाय नमः
822. निरालंबाय नमः

- 823. निरक्षाय नमः
- 824. निखिलेक्षकाय नमः
- 825. नित्यधिये नमः
- 826. नित्यसंकल्पाय नमः
- 827. निधिस्थाय नमः
- 828. निरविद्यकाय नमः
- 829. नित्यवासिने नमः
- 830. नित्यशुचये नमः
- 831. निर्लुब्धाय नमः
- 832. निगमारिघ्ने नमः
- 833. निरंजनाय नमः
- 834. नित्यपूज्याय नमः
- 835. नित्यमुक्ताय नमः
- 836. निरीश्वराय नमः
- 837. निष्कर्त्रे नमः
- 838. निष्कृतये नमः
- 839. निःस्वाय नमः
- 840. निष्काय नमः
- 841. निखिलवासभुवे नमः
- 842. पुरीशाय नमः
- 843. पूर्वगाय नमः
- 844. पुण्याय नमः
- 845. पूर्वनामिने नमः
- 846. पुरुप्रियाय नमः

847. विख्यातवीर्याय नमः
848. विद्येशाय नमः
849. श्रीविद्याषोडशीगुरवे नमः
850. लक्ष्म्यै नमः
851. लक्ष्याय नमः
852. लक्ष्मणाय नमः
853. लक्षणज्ञाय नमः
854. लसत्पदाय नमः
855. ह्रीमते नमः
856. हंसगतये नमः
857. हंसाय नमः
858. हंसश्वेतहृदंबुजाय नमः
859. हंसमंत्रार्थतत्त्वज्ञाय नमः
860. हंसवर्णाय नमः
861. हरिप्रियाय नमः
862. हर्षामर्षसहाय नमः
863. हासकुशलाय नमः
864. हानिवृद्धिनुदे नमः
865. सभ्याय नमः
866. सभापतये नमः
867. स्वामिने नमः
868. संभृतये नमः
869. संभवापहाय नमः
870. ह्रीवेरशीतलस्वांताय नमः

871. ह्रीमतीहारितात्मभाजे नमः
872. लक्षिताशेषमंत्रार्थाय नमः
873. लक्षकोट्यंडनायकाय नमः
874. ललितांगाय नमः
875. लयज्ञात्रे नमः
876. लब्धस्वाय नमः
877. लब्धहर्षणाय नमः
878. कंबुकंठाय नमः
879. कलिध्वंसिने नमः
880. कल्याणात्मने नमः
881. कलध्वनये नमः
882. भूषितांतर्वाणिचक्राय नमः
883. भूगाय नमः
884. भूसुरसेविताय नमः
885. यागविदे नमः
886. योगविदे नमः
887. युक्ताय नमः
888. यशोदाय नमः
889. यमप्रियाय नमः
890. ओंकारव्याहृतिव्यग्राय नमः
891. नमितारातिमंडलाय नमः
892. नागशैलशिरश्चारिणे नमः
893. रामगिर्याश्रमाश्रयाय नमः
894. वांछितार्थप्रदाय नमः

895. शर्वाय नमः
896. अदीनाय नमः
897. मोदमेदुराय नमः
898. यतिचर्याविवेकज्ञाय नमः
899. यतधिये नमः
900. यतभावनाय नमः
901. ओंकारिणे नमः
902. वितताद्वैतश्रुतिन्यायाय नमः
903. कृपानिधये नमः
904. यंत्रे नमः
905. यतमनसे नमः
906. यम्याय नमः
907. यज्ञांगाय नमः
908. यज्ञभूषणाय नमः
909. यज्ञाय नमः
910. यज्ञपतये नमः
911. यज्वने नमः
912. यज्ञभुवे नमः
913. यज्ञभावनाय नमः
914. कृपार्पितकरालंबाय नमः
915. विध्वस्तविधये नमः
916. अंडसुवे नमः
917. निखिलक्षमातलाचार्याय नमः
918. पाषंडमतखंडनाय नमः

919. प्रतिष्ठापकमूर्धन्याय नमः
920. मताद्वयमहानयाय नमः
921. परिव्राजकधूर्वोद्रे नमः
922. अनंतधुरे नमः
923. अंतरांतराय नमः
924. मुक्ताय नमः
925. मुकुंदाय नमः
926. मध्यस्थाय नमः
927. मददूराय नमः
928. मनोमयाय नमः
929. शांताय नमः
930. शुभंकराय नमः
931. शुक्राय नमः
932. शूराय नमः
933. शोकविवर्जिताय नमः
934. भिक्षवे नमः
935. तरक्षवे नमः
936. क्षमित्रे नमः
937. अक्षतये नमः
938. साक्षतार्चनाय नमः
939. राजराजार्चिताय नमः
940. रंज्याय नमः
941. रंजकाय नमः
942. रश्मिमते नमः

943. रमाय नमः
944. रमणाय नमः
945. रसवादिने नमः
946. रजताद्रिनिकेतनाय नमः
947. अस्थूलाय नमः
948. अनणवे नमः
949. ह्रस्वाय नमः
950. मनवे नमः
951. मेधायै नमः
952. महामनसे नमः
953. बहुपादाय नमः
954. बहुभुजाय नमः
955. बहुशीर्षाय नमः
956. बहुप्रियाय नमः
957. नांतःप्रज्ञाय नमः
958. नप्रज्ञाय नमः
959. नबहिःप्रज्ञाय नमः
960. नाप्रज्ञाय नमः
961. प्रज्ञानघनाय नमः
962. विज्ञानात्मने नमः
963. विलासकृते नमः
964. प्रियाप्रियस्पर्शहीनाय नमः
965. अमृताय नमः
966. आकाशदेहवते नमः

967. अभूमये नमः
968. अजलाय नमः
969. अनग्नये नमः
970. अवायवे नमः
971. अनंभराय नमः
972. अग्राह्याय नमः
973. अद्रेश्यकाय नमः
974. अश्रोत्रे नमः
975. श्रोत्रे नमः
976. कर्त्रे नमः
977. अकर्तृकाय नमः
978. अगंधाय नमः
979. अरसकाय नमः
980. अरूपाय नमः
981. अस्पर्शाय नमः
982. अशब्दाय नमः
983. शब्दभाजे नमः
984. मंत्रे नमः
985. अमंत्रे नमः
986. अनुमंत्रे नमः
987. बोद्धे नमः
988. अबोद्धे नमः
989. प्रबोधकृते नमः
990. एकाय नमः

991. अनेकाय नमः
 992. केवलात्मने नमः
 993. सर्वस्मै नमः
 994. संसारमोचनाय नमः
 995. नित्यशुद्धाय नमः
 996. नित्यबुद्धाय नमः
 997. नित्यमुक्ताय नमः
 998. निराश्रयाय नमः
 999. हार्दाविद्यातमश्छेत्ते नमः
 1000. भक्तहृत्पद्मभास्कराय नमः



श्रीमत्-शंकर-भगवत्पाद-सहस्रनामानि (अर्थसहितानि)

1. श्रीगुरुः — ஸ்ரீ குருவே நமஸ்காரம்
2. शुद्धहृदयः — சுத்தமான ஹ்ருதயத்தை உடையவர்
3. श्रेयान् — உயர்ந்தவர்
4. शांतः — (அவாக்கள்) அடங்கிய மனதை உடையவர்
5. दयानिधिः — கருணையின் கருவூலமானவர்
6. दांतः — புற புலன்களை அடக்கியவர்
7. तितिक्षुः — பொறுமை உடையவர்
8. चंद्राभः — சந்திரன் போல் பிரகாசிப்பவர்
9. न्यस्तकर्मा — (ஸம்ஸாரிகளின்) செயல்களை விடுத்தவர்

10. समाहितः — மனதையும் புலன்களையும் ஸத்விஷயங்களில் நிறுத்தியவர்
11. चटुलः — அழகுற எப்பொழுதும் காரியங்களில் முற்பட்டவர்
12. यतचित्तः — மனதை அடக்கியவர்
13. श्रद्धानः — (ஸாஸ்த்ரம் மற்றும் குரு வாக்கியத்தில்) நம்பிக்கை உடையவர்
14. चिरंतनः — (தக்ஷிணாமூர்த்தி வடிவில் காலவரையறையற்றவராக முந்தையவர்களுக்கெல்லாம் குருவாக) தொன்றுதொட்டு இருப்பவர்
15. चापलः — (மக்கள் நல்வழியில் வரமாட்டார்களா என்ற) அவா கொண்டவர்
16. चतुरास्येज्यः — ப்ரஹ்மாவால் போற்றப்பட்டவர்
17. चरित्रतकोविदः — விடாது நன்னடத்தையில் திறம்பட இருப்பவர்
18. चतुरः — திறமைசாலி
19. श्रुतिमौलिस्थः — (வேதத்தின் உச்சியில்) வேதாந்தத்தில் (ஆசார்யனாக) நின்றவர்
20. शिवः — ஸிவனாரின் (அவதாரமானவர்)
21. शुद्धप्रबोधकः — தூயதை நன்கு போதிப்பவர்
22. वशी — (உணர்ச்சிகளை) தன் கட்டுக்குள் வைத்தவர்
23. विश्वेश्वरः — (மூல வடிவில்) உலகத்தை ஆள்பவர்
24. मुख्यः — சிறந்தவர்
25. अमूल्यः — மதிப்பிட முடியாதவர்
26. मूलकृत् — (அத்வைதத்தின்) மூல (பாஷ்ய நூல்களை) செய்தவர்
27. मखी — யஜ்ஞங்களை (தான் காப்பாற்றவேண்டியவையாகக்) கொண்டவர்
28. मूर्धाभिषिक्तः — தலைவராக பட்டாபிஷேகம் செய்விக்கப்பட்டவர்
29. सर्वेशः — அனைத்தையும் செய்யவல்லவர்
30. महादेवः — பெரும் தேவன் (அல்லது பூதேவர்களுக்குள் சிறந்தவர்)

31. मदामदः — சுகமும் துக்கமும் (அனுபவிக்கும் ஸரீரமெனும் உபாதிக்கு உட்புகுந்தவர்)
32. भवः — உலக உற்பத்திக்கு காரணமானவர்
33. रुद्रः — அழுகையைப் போக்குபவர்
34. हरः — (பாபங்களை) நீக்குபவர்
35. मुग्धः — கள்ளங்கபடமின்மை என்ற அழகை உடையவர்
36. शर्वः — (தோஷங்களை) அழிப்பவர்
37. ईशानः — (உலகு) ஆள்வதை சுபாவமாகக் கொண்டவர்
38. ईश्वरः — திறம்பட (உலகு) ஆள்வவர்
39. महेशः — சக்தியுடையவர்களில் சிறந்தவர்
40. स्वस्तिकृत् — (பக்தர்களுக்கு) நலத்தை விளைவிப்பவர்
41. सुस्थः — (ஆத்மா, மனஸ், இந்த்ரியங்கள்) ப்ரஸன்னமாக இருப்பவர்
42. स्थिरः — உறுதியாக இருப்பவர்
43. स्थाणुः — அசைவற்ற (பரம்பொருளாக) இருப்பவர்
44. सुरार्चितः — தேவர்களால் போற்றப்படுபவர்
45. शाश्वतः — என்றும் இருப்பவர்
46. सौम्यवदनः — இனிமை மிகுந்த முகமுள்ளவர்
47. सिद्धयोगिनिषेवितः — ஸித்தர்களாலும் யோகிகளாலும் வணங்கப்பட்டவர்
48. सोमः — (கருணையாகிய) உமையுடன் இருப்பவர் (அல்லது) சந்த்ரனை (போல் உபதேச அமுதம் பொழிபவர்)
49. सुधास्वच्छतनुः — அம்ருதமயமான சுத்தமான உடலைக் கொண்டவர்
50. श्रीमान् — (ஞானமாகிய நீங்காத) செல்வம் உடையவர்
51. प्रेयान् — (பக்தர்களின்) மிகுந்த அன்பிற்குரியவர்
52. जगत्पतिः — உலகுக்கு தலைவர்

53. श्रीकंठः — (உலகைக் காக்க) விடமுண்ட கண்டன் ஆனவர்
54. श्रितवात्सल्यः — (பக்தர்களிடம்) அன்புகாட்டுவதில் நிலைத்தவர்
55. शांभवः — சிவனை வழிபடுபவர்
56. शंकराभिधः — சங்கர என்ற பெயர் கொண்டவர்
57. वीरः — (தர்மத்தைக் காப்பதில்) வீரர்
58. शुभविहारी — ஸஞ்சாரத்தால் மங்களத்தைப் பரப்புபவர்
59. शुद्धब्रह्मैक्यमूर्तिमान् — சுத்த பிரம்மத்தில் ஐக்கியமே தனது (உண்மை) வடிவமாக உடையவர்
60. अखिलः — முழு (பிரபஞ்ச வடிவினர்)
61. अखिलऋग्गम्यः — அனைத்து மந்திரங்களாலும் போதிக்கப்படுபவர்
62. भूतात्मा — (ஐம்) பூதங்களுக்கு உள்ளிருப்பவர்
63. भूतकृत् — (ஐம்) பூதங்களை உருவாக்கியவர்
64. विभुः — எங்கும் நிறைந்தவர்
65. आज्ञाकृत् — (சிவனார் வடிவில் தேவர்களை அந்தந்த வடிவில் பிறக்கும்படி) கட்டளையிட்டவர்
66. अमरोद्योगी — தேவர்களின் (நலனுக்காக) முயற்சி செய்பவர்
67. कलिभीतसुरार्थितः — கலிக்கு பயப்படும் தேவர்களால் (தக்ஷிணாமூர்த்தி வடிவில்) வேண்டப்பட்டவர்
68. गुहादेशी — முருகனை (குமாரில பட்டராக அவதரிக்கும்படி) உத்தரவிட்டவர்
69. गुहागेही — (அவ்வப்போது மலை) குறைகளை இருப்பிடமாகக் கொண்டவர்
70. विष्णुब्रह्मनिदेशकृत् — விஷ்ணு ப்ரஹ்மா (இவர்களை ஸநந்தனர் மற்றும் ஸுரேச்வரராக அவதரிக்கும்படி) உத்தரவிட்டவர்
71. गुह्यः — (அஸத்துகளிடம் சொல்லத்தகாத) ரகசியமானவர்

72. गुहाशयः — (ஹ்ருதய) குஹையில் உறைபவர்
73. गूढः — (ப்ரஹ்ம வடிவில் அறியவொண்ணாது எவ்விடமும்) ஒளிந்திருப்பவர்
74. भूरिदः — அள்ளி வழங்குபவர்
75. भूतिकृत् — செல்வத்தை உருவாக்குபவர்
76. बुधः — அறிஞர்
77. भूमृत्स्थः — மலையில் ஸஞ்சரிப்பவர்
78. भूतिभृत् — (உலகில் தர்மமெனும்) செல்வத்தை பராமரிப்பவர்
79. भूभुक् — உலகைக் காப்பவர்
80. भूतेशः — ஜீவராசிகளுக்கு தலைவர்
81. भूतभावनः — ஜீவராசிகளை உருவாக்கியவர்
82. भद्रः — மங்களமானவர்
83. भव्यः — மனதிற்கினியவர்
84. भवभिषक् — பிறவிப்பிணிக்கு வைத்தியர்
85. भक्तपूज्यः — பக்தர்களால் பூஜை செய்யப்படுபவர்
86. पिनाकभृत् — (சிவனார் வடிவில்) பிநாகம் (என்னும் வில்லை) தாங்கியவர்
87. मंडलात्मा — (ஸத்துக்களின்) மண்டலத்திற்கு ஆத்மாவாக இருப்பவர்
88. मधुरवाक् — இனியன மொழிபவர்
89. स्मितः — புன்னகை பூத்தவர்
90. मान्यः — மரியாதைக்குரியவர்
91. मधुः — தேனனைய (ஸாரமான ஆனந்தம் கொடுக்கும் பரம்பொருளானவர்)
92. मुनिः — மௌனமாக சிந்திப்பவர்
93. महातेजाः — பேரொளிபடைத்தவர்
94. महितवाक् — பெருமைக்குரியன சொல்பவர்
95. अलंकारः — (பூமியை) அலங்கரிப்பவர்

96. अमलः — (முந்தைய பிறப்பில் சேகரித்து தீய எண்ணமாகிய) அழுக்கு இல்லாதவர்
97. अनघः — பாவமில்லாதவர்
98. बालः — (எளிமை மற்றும் கபடமின்மையில்) குழந்தை போன்றவர்
99. अबलैषणामुक्तः — பெண்ணாசை அற்றவர்
100. आर्यभूः — (வெளிப்படையாகவும் ஸூக்ஷ்மமாகவும்) சான்றோரிடையே இருப்பவர்
101. आर्यसंश्रयः — சான்றோருக்கு அடைக்கலமாக இருப்பவர்
102. शीली — சீலம் மிகுந்தவர்
103. शिवगुरुप्रेष्ठः — சிவகுருவின் ப்ரிய (மகனார்)
104. आर्यावासुप्रजा — ஆர்யாம்பாவின் உயர்ந்த குழந்தை
105. शिवः — மங்களமானவர்
106. परात्परः — அப்பாலுக்கும் அப்பாலாய் இருப்பவர்
107. त्रयस्त्रिंशत्कोटिदेवसुसन्नुतः — முப்பத்து முக்கோடி தேவர்களால் நன்கு வணங்கப்படுபவர்
108. उदारधीः — விசாலமான மனம் உடையவர்
109. सत्यरूपः — ஸத்ய வடிவினர்
110. कालटीजननः — காலடியில் பிறந்தவர்
111. अद्वयः — இரண்டற்றவர்
112. विद्यापतिः — கல்விக்கு தலைவர்
113. वटुः — ப்ரஹ்மசாரியாக இருப்பவர்
114. वेद्यः — (த்யானத்தால்) அறிய வேண்டியவர்
115. चिन्मयः — சைதன்ய வடிவினர்
116. चूर्णिकाप्रियः — சூர்ணிகா (பூர்ணா என்னும் நதியில் பால்யத்தில்) களித்தவர்

117. श्रीमात्रार्थितगार्हस्थः — मतिप्पிற்கुरिय अन्नैनय्याल् इल्लறम् (ஏற்கும்படி) வேண்டப்பட்டவர்
118. श्रेयोधीः — (இல்லறத்தை விட) உயர்ந்ததை மனதில் அசையாது கொண்டவர்
119. श्रितदेशिकः — ஆசார்யனை சரணடைந்தவர்
120. श्रीमुखः — (குரு முதன்முறை பார்த்தபோதே ஞானப்) பொலிவுடைய முகமுள்ளவராக (திகழ்ந்தவர்)
121. श्रीधरः — (அப்பொழுதே ஞான) லக்ஷ்மியைத் தாங்குபவராக (விளங்கியவர்)
122. शुष्मी — (உலகோருக்கு வழிகாட்டுவதற்கான) தேஜஸ்ஸைக் கொண்டவராக (குருவால் காணப்பட்டவர்)
123. शासिता — (சாஸ்திரத்தின்) உத்தரவை போதிப்பவர்
124. शुचिः — தூயவர்
125. उज्ज्वलः — (தேஜஸ்ஸால்) மிகவும் ஜ்வலிப்பவர்
126. साधुः — (பிறரின் நன்மையை) ஸாதித்துக்கொடுப்பவர்
127. स्थेयान् — வலுவானவர்
128. संयियंसुः — துறவறம் பெற விரும்பியவர்
129. सरिदाप्लुतविग्रहः — (பூர்ணா) நதியில் உடல் முழுவதும் நனைத்தவர்
130. ग्राहग्रहव्याजलब्धप्रसूसन्याससम्मतिः — முதலை பிடித்ததை வ்யாஜமாகக் கொண்டு தாயிடம் துறவறத்திற்கு அனுமதி பெற்றவர்
131. सन्यस्तः — (உடனே ஆபத்) ஸந்ந்யாஸம் பெற்றவர்
132. संयमी — புலன்களை அடக்கியவர்
133. प्रैषी — ஸந்ந்யாஸ மந்த்ரத்தை உச்சரித்தவர்
134. संसारत्यागतत्परः — ஸம்ஸார (வாழ்க்கையை) தியாகம் செய்வதில் முனைந்தவர்
135. अर्चिष्मान् — (துறவறத்தால் புதிய) பொலிவு பெற்றவர்

136. आत्तगोविंदः — கோவிந்த (பகவத்பாதரை மனதினால் குருவாக) வரித்தவர்
137. प्रस्थितः — (குருவிருக்கும் இடம் நோக்கி) கிளம்பியவர்
138. प्राप्तसद्गुरुः — ஸத்குருவை சென்றடைந்தவர்
139. आमोदी — (குருவினால் சிஷ்யனாக) ஆமோதிக்கப்பட்டவர் / ஞான நறுமணம் கொண்டவர்
140. निगमांतज्ञः — வேதாந்தத்தை அறிந்தவர்
141. एकानंदरसात्मकः — ஒரே ஆனந்த ரஸமாக எப்போதும் இருப்பவர்
142. श्रीब्रह्मसूत्रव्याख्याता — ஸ்ரீ பிரம்ம சூத்திரத்திற்கு வியாக்யானம் எழுதியவர்
143. एकदंडः — ஒரே தண்டத்தை கொண்டவர்
144. कषायभृत् — காவியை உடுத்தியவர்
145. भक्तप्रपंचसच्छात्रः — பக்தர்களாகிய உலகத்தோர் (தமக்கு) மாணவர்களாகக் கொண்டவர்
146. गोविंदभगवत्प्रियः — கோவிந்த பகவத்பாதருக்கு பிரியமானவர்
147. हरिसब्रह्मचारी — (அவரது பூர்வாச்ரம புத்ரராகிய பர்த்ரு)ஹரியின் சக மாணவர்
148. स्पृष्टगौडपदांबुजः — கௌட(பாதரின்) பாதங்களைத் தொட்டு (வணங்கியவர்)
149. मातंगश्रीमहादेवीयोक्तिस्थापितसन्मतः — மாதங்க மஹாராணியின் வேண்டுகோளின்படி (அந்த ராஜ்ஜியத்தில்) நல்தர்மத்தை ஸ்தாபித்தவர்
150. यतितीर्थादिपुर्वतसंप्रदायप्रवर्तकः — யதிகளுக்கு தீர்த்த முதல் புரீ வரை (தசநாமி) ஸம்ப்ரதாயத்தை ஏற்படுத்தியவர்
151. बादरायणवाग्वादी — (முதியவர் வேடத்தில் வந்த) வியாசருடன் வாதம் புரிந்தவர்
152. बहुशिष्यपरीवृतः — பல சிஷ்யர்களால் புடைசூழ்ந்தவர்
153. पद्मपादसनाथः — பத்மபாதரை (சிஷ்யனாக ஏற்று) பாதுகாத்தவர்

154. योगप्राप्तहराचलः — யோகத்தினால் ஹரனின் மலைக்கு (கைலாயத்திற்கு) சென்றவர்
155. आनीतलिंगकुलकः — (சிவனார் அளித்த) ஐந்து லிங்கங்களை எடுத்து வந்தவர்
156. आनंदलहरीग्रहः — (ஸௌந்தர்ய லஹரியின் முன் பகுதியாகிய) ஆநந்தலஹரியை பெற்றவர்
157. केदारेशप्रतिष्ठाता — கேதாரில் முக்தி லிங்கத்தை ப்ரதிஷ்டை செய்தவர்
158. नेपालवरलिंगकृत् — நேபாளத்தில் வர லிங்கத்தை வைத்தவர்
159. काश्मीरादिक्षेत्रवासी — காச்மீரம் முதலான இடங்களில் வசித்தவர்
160. दुर्वादिमतखंडनः — கெட்ட வாதங்களுடைய மதங்களை கண்டித்தவர்
161. श्रीहस्तिगिरिनाथादिदिव्यक्षेत्रचरः — ஹஸ்திகிரி (விஷ்ணு காஞ்சி) முதலான கேஷத்திரங்களுக்கு சென்றவர்
162. सुधीः — நல்லறிவு உள்ளவர்
163. रुद्धभट्टोक्तिराद्धांतः — (குமாரில) பட்டர் கூறிய (ஈசன் தேவையில்லை, கருமமே பலனளிக்கும் என்ற) ஸித்தாந்தத்தைக் கட்டுப்படுத்தியவர்
164. जितमंडनभारतिः — மண்டன மிசர்ர (மற்றும் அவரது பத்னியான) பாரதியை வெற்றி கொண்டவர்
165. परकायप्रवेशाप्तपांचशर्यमहागमः — பரகாய ப்ரவேசம் செய்து காம சாஸ்த்ர நுணுக்கங்களை அறிந்தவர்
166. गुहानृसिंहसंस्तावलब्धदग्धकरांबुजः — (பரகாய ப்ரவேசத்தின் போது) குஹையில் (ஒளிக்கப்பட்டிருந்த தமது இயல்பு உடலை சிலர் எரிக்க முயன்ற போது) நரசிம்மரை வேண்டி எரிந்த தன் கரத்தாமரைகளை மீட்டுப்பெற்றவர்
167. सरस्वतीजयाध्मातयतीश्वरसुरेश्वरः — கலைவாணியை வெற்றிகொண்டு ஸுரேஸ்வரரை துறவி ஆக்கியவர்
168. हस्तामलकसेव्यांग्रिः — ஹஸ்தமலகரால் ஸேவிக்கப்பட்ட திருவடிகளைக் கொண்டவர்

169. तोटकार्यसुसेवितः — தோடகாசார்யரால் நன்கு வணங்கப்பட்டவர்
170. चित्सुखोदंकसच्छात्रवंदितांग्रिः — சித்ஸுகர் உதங்கர் (போன்ற) நல்மாணவர்களால் வணக்கப்பட்ட திருவடியினர்
171. गुणांबुधिः — குணக்கடலானவர்
172. इच्छालब्धगिरीशात्मा — விருப்பப்படி (தனது மூல) சிவ வடிவம் எடுக்கக்கூடியவர்
173. गौरीकांतः — கௌரியை ஈர்த்தவர்
174. गुरुत्तमः — உத்தமமான குரு
175. गुरुराजः — குருமார்களுக்கரசர்
176. गुणी — நல்ல குணம் உடையவர்
177. गोप्ता — (பக்தர்களைக்) காப்பவர்
178. गोपनः — (ரகசியங்களை) ஒளிப்பவர்
179. नराकृतिः — மனித வடிவம் கொண்ட (தெய்வம்)
180. निर्ममः — மமதையற்றவர்
181. नरकारातिः — நரகத்திற்கு எதிரி
182. नम्यः — வணங்கத்தக்கவர்
183. नाथः — தலைவர்
184. निरंजनः — அப்பழுக்கற்றவர்
185. निस्स्पृहः — ஆசைகளை கட்டுப்படுத்தியவர்
186. निष्कलः — பகுக்க முடியாத (பிரமமே சொருபமானவர்)
187. नित्यः — என்றும் இருப்பவர்
188. नामरूपविवेकवान् — பெயர் உருவம் (இரண்டும் ப்ரஹ்மத்தைக் காட்டிலும் வேறு என்ற) விவேகம் உள்ளவர்.
189. नालीकः — பொய்யற்றவர்

190. निष्क्रियः — செயல்களுக்கப்பாற்பட்டவர்
191. नीरूक् — வலியற்றவர்
192. निराशीः — ஆசைகள் இல்லாதவர்
193. निरामयः — வியாதி இல்லாதவர்
194. निर्नतिः — (யாருக்கும் தலை) வணங்கத் (தேவை) இல்லாதவர்
195. निःस्वधाकारः — ஸ்வதா (என்று சொல்லி செய்யும் பித்ரு காரியம்) இல்லாதவர் (ஸந்ந்யாஸி)
196. निःस्वाहाकृत् — ஸ்வாஹா (என்று சொல்லி செய்யும் தேவ காரியம்) இல்லாதவர் (ஸந்ந்யாஸி)
197. निरीश्वरः — (தனக்கு மேற்பட்ட) ஈசனில்லாதவர்
198. नीरूपकः — உருவற்ற (பரம்பொருளானவர்)
199. निर्गुणः — குணமற்ற (பரம்பொருளானவர்)
200. निष्कर्मा — புண்ணிய பாபமற்ற (பரம்பொருளானவர்)
201. निर्व्यथः — துக்கமற்றவர்
202. वशी — வசீகரிப்பவர்
203. निर्लेपः — பற்றில்லாதவர்
204. नित्यपुष्टः — என்றும் வலுவானவர்
205. हृष्टः — உற்சாகமுள்ளவர்
206. तुष्टजनाश्रयः — திருப்தியான ஜனங்களால் ஆஸ்ரயிக்கப்படுபவர்
207. साक्षात्कारी — (ப்ரம்ம ஞான நிலையை) நேரடியாக அனுபவித்தவர்
208. सन्निधानः — (ப்ரம்ம ஞான நிலைக்கு) அருகில் சேர்ப்பிப்பவர்
209. सूरिः — தத்துவமறிந்தவர்
210. सायंगृहः — (அன்றன்று) மாலை (எங்குள்ளாரோ அங்கேயே இரவு தங்கும்) வீடாக கொண்டவர்

211. यमी — புலன்களை கட்டுப்படுத்தியவர்
212. सत् — உண்மை வடிவினர்
213. सात्वान् — உண்மை(பொருளான பகவானை) உபாஸிப்பவர்
214. सात्त्विकः — சத்வ குணம் நிரம்பியவர்
215. सभ्यः — கலாசாரம் நிரம்பியவர்
216. सर्वमित्रः — அனைவருக்கும் நண்பர்
217. स्मरांतकः — காமனை அழித்தவர்
218. सशिष्यः — சிஷ்யர்களுடன் கூடியவர்
219. संग्रही — (வேத தாத்தரியத்தை) ஸங்க்ரஹம் செய்தவர்
220. ज्यायान् — மூத்தவர்
221. बली — சக்திமிக்கவர்
222. वाग्मी — வாக்கு வன்மை மிக்கவர்
223. मितोक्तिकृत् — அளவோடு பேசுபவர்
224. वाचंयमः — பேச்சை அடக்கியவர்
225. वरिष्ठः — மிக உயர்ந்தவர்
226. व्याख्यानाव्यायिकापटुः — உரைகளை சரித்திரங்கள் (போல் அழகுற உருவாக்குவதில்) திறமிக்கவர்
227. परमः — எல்லாவற்றிலும் உயர்ந்தவர்
228. परिभूः — சுற்றிலும் இருக்கும் (பரம்பொருளானவர்)
229. प्रौढः — பக்குவமானவர்
230. प्राज्ञः — அறிவாளி
231. प्रीतः — மகிழ்வுடன் இருப்பவர்
232. प्रियंवदः — பிரியமாக பேசுபவர்
233. प्रातर्दी — (தோஷங்களை) அறவே ஒழிப்பவர்

234. दहयोगी — தஹர யோகம் அறிந்தவர்
235. प्रहः — வணங்கிய இயல்பினர்
236. प्रश्ननिरूपणः — கேள்விகளுக்கு (பதில்களை) நிரூபித்தவர்
237. पारंगतः — எல்லையை அடைந்தவர்
238. पाशमुक्तः — பாசத்திலிருந்து விடுபட்டவர்
239. परवित् — பரத்தை அறிந்தவர்
240. प्रत्यगीक्षिता — உள்நோக்கிய பார்வையுடையவர்
241. अधिष्ठानवित् — (ப்ரபஞ்சமாம் தோற்றத்திற்கு) ஆதாரத்தை அறிந்தவர்
242. अव्याजः — (அருள்மழைபொழிய) காரணமில்லாதவர்
243. एकवादी — ஒரே இறை எனும் வாதத்தை கொண்டவர்
244. द्वयासहः — இரட்டையை ஒப்பாதவர்
245. स्वभूः — தன்னில் நிலைத்தவர்
246. स्वराट् — (மோக்ஷ நிலையில் தன்னை ஆள பிறர் இல்லாது) தன்னைத் தானே ஆள்பவர்
247. विराट् — வியாபித்து ஆள்பவர்
248. मौनी — மௌனமாய் இருப்பவர்
249. स्वप्रकाशः — தானே ஒளிர்பவர்
250. स्वयंप्रभुः — (மற்றொருவரை எதிர்பாராமல்) தாமே திறமிக்கவர்
251. महत् — மேன்மை பொருந்தியவர்
252. अरूपः — உருவமில்லாதவர்
253. अव्यक्तः — (எளிதில்) விளங்காதவர்
254. परं ज्योतिः — மிகவும் உயர்ந்த ஜோதியானவர்
255. परं पदम् — மிகவும் உயர்ந்த பதவியானவர்
256. परं धाम — மிகவும் உயர்ந்த உறைவிடமானவர்

257. परा काष्ठा — மிகவும் உயர்ந்த எல்லையானவர்
258. परा शक्तिः — மிகவும் உயர்ந்த சக்தியானவர்
259. परा गतिः — மிகவும் உயர்ந்த கதியானவர்
260. परम् ओकः — மிகவும் உயர்ந்த சேருமிடமானவர்
261. परं वस्तु — மிகவும் உயர்ந்த பொருளானவர்
262. परं ब्रह्म — மிகவும் உயர்ந்த பிரம்மமானவர்
263. परं पुरः — மிகவும் உயர்ந்து முன்னின்றவர்
264. परायणः — மிகவும் உயர்ந்ததை அடைவிப்பவர்
265. परो भावः — மிகவும் உயர்ந்த த்யானவிஷயமானவர்
266. प्रशांतात्मा — மிகுந்த சாந்தமே சொரூபமானவர்
267. प्रसादकः — திருப்தி செய்பவர்
268. प्रज्ञानघनमूर्तिः — ஞானம் தவிர வேறற்ற மூர்த்தியானவர்
269. प्रशास्ता — வழிநடத்திச் செல்பவர்
270. प्रत्यगर्थवान् — உள்ளிருக்கும் பொருளை அறிந்தவர்
271. विज्ञाता — நுண்ணிய அறிவுடையவர்
272. विश्वकृत् — உலகை உருவாக்கியவர்
273. वेधाः — உலகின் (ஒவ்வொரு அம்சங்களையும்) அமைத்தவர்
274. वेदवेद्यस्ववैभवः — வேதத்தினால் மட்டும் அறியத்தக்கதும் தன்னிடம் மட்டும் உள்ளதுமான (தனிப்) பெருமையை உடையவர்
275. सत्यव्रतः — சத்தியத்தை விரதமாக கொண்டவர்
276. सत्यपरः — சத்தியத்துக்கு அர்ப்பணமானவர்
277. त्रिसत्यः — மூன்று காலத்துக்கும் சத்தியமானவர்
278. सत्यनायकः — சத்தியத்திற்கு நாயகன்
279. सत्यप्रतिष्ठः — சத்தியத்தின் அடிப்படையில் (செயல்படுபவர்)

280. सत्याशी: — சத்தியமான வாழ்த்துகள் வழங்குபவர்
281. सत्यार्थप्रेरक: — சத்திய ப்ரயோஜனமுடைய காரியங்களை ஊக்குவிப்பவர்
282. सम: — (அனைத்தையும்) ஸமமாக பார்ப்பவர்
283. ईक्षिता — (அனைத்தையும்) கவனித்துக்கொண்டிருப்பவர்
284. सच्चिदानंदस्वरूप: — சத்சித் ஆனந்த வடிவானவர்
285. सदसत्पर: — ஸத் அஸத் (இரண்டையும் பிரிப்பதில்) முனைந்தவர்
286. सत्यरूप: — சத்தியமே வடிவானவர்
287. सत्यसंस्थ: — சத்தியத்தில் நன்கு நிலைத்தவர்
288. नगेश: — (சிவனார் வடிவில்) மலைக்கு ஈசன்
289. छात्रमानित: — மாணவர்களால் கொண்டாடப்படுபவர்
290. नारदादिनुत: — நாரதர் முதலியவரால் மிகவும் போற்றப்பட்டவர்
291. नम्र: — (பகவானை) வணங்கும் சுபாவமுடையவர்
292. नारीनरनवाकृति: — பெண்களோ ஆண்களோ (கண்டிராத) அபூர்வ வடிவினர்
293. व्यासजैमिनिवाग्वादी — வியாசர் ஜைமினி ஆகியோருடன் வாதம் புரிந்தவர்
294. शारदाविजयी — சாரதையை வென்றவர்
295. शमी — அடக்கம் கொண்டவர்
296. सुरेश्वराचार्यदत्तस्वाश्रम: — ஸுரேஸ்வராசார்யருக்கு தனக்கு (நிகரான ஸந்ந்யாஸ) ஆஸ்ரமத்தை கொடுத்தவர்
297. सूरिकेसरी — சிந்தனையாளர்களில் சிம்மம்
298. अंकितादिब्रात्यकृत्यदूरवैदिकवर्त्मकृत् — (குட்டினால்) முத்திரைகள் தரித்துக்கொள்வது போன்ற சாஸ்த்ரம் தடுத்த செயல்கள் அறவே அற்ற வைதிகமாக பாதையை அமைத்தவர்

299. कुकूलानलकूटस्थकुमारिलकृतानतिः — உமித்தீக்கூட்டத்தின் இடையே இருந்த குமாரில (பட்டரால்) வணங்கப்பட்டவர்
300. कुतर्ककर्कशक्षमाभृत्कुलिशः — கடினமான மலைகள் போன்ற துஷ்ட வாதங்களை (அழிக்கும்) வஜ்ராயுதமானவர்
301. कविकेसरी — கவி இயற்றுவதில் சிம்மம்
302. कुवादिमदमत्तेभपंचास्यः — மதம் பிடித்த யானைகள் போன்ற துர்வாதிகளை (வீழ்த்தும்) சிங்கம் போன்றவர்
303. कलिनाशनः — கலியை நாசம் செய்பவர்
304. योगरोगहरः — யோகத்தால் நோயை நீக்கியவர்
305. सांख्यसंख्यावान् — ஞான (பாதையை) திரிபற அறிந்தவர்
306. अमितद्युतिः — அளவற்ற பொலிவுடையவர்
307. जितजैनप्रतिष्ठंभस्तंभनोच्चाटनामनुः — ஜைனர்களின் இடைஞ்சல்கள் மற்றும் ஸ்தம்பன உச்சாடனங்களுக்கான மந்த்ரங்களை முறியடித்தவர்
308. वैशेषिकविशेषोक्तिविशोषणविचक्षणः — வைசேஷிகர்களின் முக்கியமான கூற்றுகள் வறண்டுபோகும்படி செய்வதில் நிபுணர்
309. निरस्तद्वैतिमूर्धन्यशैवभागवतागमः — தலையாய த்வைதிகளாகிய சைவர்கள் மற்றும் பாகவத மதத்தவர்களின் ஸாஸ்த்ரத்தை நிராகரித்தவர்
310. कांचीनगरनिर्मातृराजसेननृपार्चितः — காஞ்சீபுர நகரத்தை (ஆசார்யாளின் ஆஜ்ஞைப்படி மீண்டும்) நிர்மாணம் செய்துகொடுத்த ராஜஸேனன் என்ற அரசனால் பூஜிக்கப்பட்டவர்
311. वरदालयनिर्माता — (ராஜஸேனன் மூலம்) வரதர் ஆலயத்தை (புனர்)நிர்மாணித்தவர்
312. एकाम्रनाथपदोद्धरः — ஏகாம்ரநாதரின் இருப்பிடத்தை (ஜீர்ண) உத்தாரணம் செய்(வித்)தவர்
313. गुहास्थचित्कलाचांड्यखंडनः — (காமாக்ஷி மூலஸ்தானமாகிய பிலாகாச) குஹையில் இருந்த ஜீவகலையின் உக்ரத்தை நீக்கியவர்

314. कालखंडनः — (சிவனார் வடிவில்) காலனையே கண்டித்தவர்
315. कामकोष्ठधराक्रीडः — காமகோஷ்டம் (என்ற புண்ய) பூமியை தன் விளையாட்டு இடமாக கொண்டவர்
316. कामकोटिपदाश्रयः — (காமாக்ஷியாம்) காமகோடியின் பாதங்களை ஆஸ்ரயித்தவர்
317. कामाक्षीवरिवस्याकृत् — காமாக்ஷிக்கு (பலவித) சேவைகளை செய்தவர்
318. कालहस्तीश्वरार्चनः — காலஹஸ்தீஸ்வரரை பூஜித்தவர்
319. क्लृप्तसोपानसुप्रापशेषाचलशिरःपदः — ஸேஷாசலத்தின் உச்சியை எளிதில் அடைய அனுகூலமான படிக்கட்டை அமைக்கச் செய்தவர்
320. दिव्यः — தெய்வீகமானவர்
321. दीव्यद्वह्ववर्चसे नमः — தெய்வீக பிரம்ம வர்சஸ் உடையவர்
322. दीनरक्षी — தீனர்களை காப்பவர்
323. दरापहः — அல்பத்தனத்தை நீக்குபவர்
324. देवदेवः — தேவர்களுக்கும் தேவர்
325. दीनबंधुः — தீனர்களுக்கு உறவினர்
326. दयितः — அன்பிற்குரியவர்
327. दीनदैन्यहृत् — தீனர்களின் தீனத்தன்மையைப் போக்குபவர்
328. दोषदूरः — தோஷங்களிலிருந்து தூரத்திலிருப்பவர்
329. दुष्टरिपुः — துஷ்டர்களுக்கு எதிரி
330. दुर्वासःश्लाघितः — துர்வாசரால் சிலாகிக்கப்பட்டவர்
331. अदरः — அல்பத்தனம் இல்லாதவர்
332. द्रविणाद्येषणात्यागी — பொருள் முதலியவற்றில் ஆசையை விட்டவர்
333. दोषज्ञः — குற்றங்களை (விலக்குவதற்காக அவற்றை) அறிந்தவர்
334. दूरदर्शनः — தொலைவில் உள்ளவற்றை காண்பவர்

335. दीर्घदर्शी — (வருங்காலத்தை) வெகுமுன்பே பார்க்கவல்லவர்
336. दौःस्थ्यदूरः — மோசமான நிலையை அகற்றுபவர்
337. दारिद्र्यदमनः — ஏழ்மையை கட்டுப்படுத்துபவர்
338. दयी — தயை உடையவர்
339. दलिताशेषधीदोषः — புத்தியில் உள்ள குறைகளை மிச்சமில்லாமல் சிதைப்பவர்
340. विस्तृताद्वैतवैभवः — அத்வைதத்தின் வைபவத்தை விஸ்தாரம் செய்தவர்
341. क्षेत्राटनक्रमभ्रांतकृत्स्नभारतमंडलः — க்ஷேத்ராடன முறைப்படி முழு பாரத மண்டலத்தையும் சுற்றியவர்
342. कैलाससेवी — கைலாசத்தை சேவித்தவர்
343. बदरीनारायणपदाश्रयः — பத்ரிநாராயணரின் பாதங்களை ஆசிரயித்தவர்
344. कामरूपार्चनः — காமரூபம் (அஸ்ஸாமில் உள்ள தேவியை) அர்ச்சித்தவர்
345. अकामः — காமம் இல்லாதவர்
346. काश्मीरेश्वरसेवकः — காச்மீரத்தில் ஈசனுக்கு சேவை செய்தவர்
347. अवन्तीद्वारकायोध्यामायाकांचीमहीप्रियः — அவந்தீ த்வாரகா அயோத்யா மாயா காஞ்சீ ஆகிய க்ஷேத்ரங்களை விரும்பியவர்
348. कालीघट्टहरिद्वारजंबुदेवीप्रयागगः — காளிகட்டம், ஹரித்வார், ஜம்பு (ஜம்மு) தேவி, பிரயாகை ஆகியவற்றுக்குச் சென்றவர்
349. श्रीशैलेशजगन्नाथपुरुषोत्तमभीमगः — ஸ்ரீசைல ஈசன், ஜகந்நாதம், புருஷோத்தமம், பீம (சங்கர க்ஷேத்ரங்களுக்கு) சென்றவர்
350. त्र्यंबकोजयिनीविंध्यवासिनीसेवनापरः — த்ர்யம்பகம், உஜ்ஜயினி, விந்த்யவாசினி (க்ஷேத்ர தெய்வங்களை) ஆர்வத்துடன் வணங்கியவர்
351. सेतुकन्याकुमारीगः — சேது, கன்யாகுமரி (க்ஷேத்ரங்களுக்கு) சென்றவர்

352. जनार्दनजनार्तिहा — ஜனார்த்தன (கேஷத்ரத்தில் இருந்த) ஜனங்களின் கஷ்டத்தைத் தொலைத்தவர்
353. अनंतपुरवैयाघ्रवृषाचलपदाश्रयः — திருவநந்தபுரம், வ்யாக்ர (கேஷத்ரம்) மற்றும் திருச்சூரை நாடியவர்
354. कालटीकलभः — காலடியில் (பிறந்த ஞான புஷ்டியுடன் கூடிய) யானைக்குட்டி
355. कल्यः — (காரியங்கள் செய்வதில்) திறமிகுந்தவர்/முனைந்தவர்
356. सरःशरझरीचरः — குளங்கள், (அவற்றின் கரைகளில் அடர்ந்திருக்கும்) புல்லுகள், நீர்வீழ்ச்சிகள் (இடையே) ஸஞ்சரித்தவர்
357. कृत्स्नकर्णाटपांड्यांध्रचेरचोलमहीचरः — கர்ணாடகம், ஆந்த்ரம், பாண்டியம், சேரம் மற்றும் சோழ நாடுகள் அனைத்திலும் ஸஞ்சரித்தவர்
358. श्रीनीपतिल्वन्यग्रोधछायाश्वेतवनाश्रयः — வில்வவனம் (வைகாவூர்), நீபவனம் (ஆலவாய்), தில்லைவனம் (சிதம்பரம்), ஆலங்குடி, சாயாவனம் (சாயக்காடு), வெண்காடு (ஆகியவற்றை) நாடியவர்
359. मान्यश्रीरंगमधुरार्जुनशायिपुराश्रयः — மதிக்கப்பெறும் ஸ்ரீரங்கம், மதுரை, மருதூர், வில்லிபுத்தூரை நாடியவர்
360. अखिलांडेश्वरीरत्नताटकन्यस्तयंत्रराट् — அகிலாண்டேஸ்வரிக்கு ரத்ன தாடங்கமாக யந்திர ராஜமாகிய (ஸ்ரீசக்ரத்தை) அணிவித்தவர்
361. कांचीगुहाच्छदन्यस्तचक्रराजपरिस्तरः — காஞ்சீ (கேஷத்ர பிலாகாசமாகிய) குறையை மூடும்படி (ஸ்ரீ)சக்ர ராஜத்தை மூடியாக வைத்தவர்
362. भूम्यप्तेजोनिलाकाशलिंगसेवाधृतादरः — பூமி, ஜலம், தேஜஸ், காற்று, ஆகாசம் (ஆகிய பஞ்ச பூத கேஷத்ரங்களான காஞ்சீ, திருவானைக்கா, திருவண்ணாமலை, காளஹஸ்தி, சிதம்பரம் இங்குள்ள) லிங்கங்களை ஸேவிப்பதில் ஆதரவு கொண்டவர்
363. सत्यव्रतस्थलस्थायी — ஸத்யவ்ரதம் (எனப்படும் காஞ்சீ) கேஷத்ரத்தில் வசித்தவர்

364. कामकोटिमठास्पदः — कामகோடி மடத்தை நிலைப்பிடமாக கொண்டவர்
365. चिदंबरसभान्यस्तमोक्षलिंगः — சிதம்பர ஸபையில் மோக்ஷ லிங்கத்தை வைத்தவர்
366. अलिंगकः — (ப்ரஹ்ம ஸ்வரூபமாக) தனிப்பட்ட அடையாளம் இல்லாதவர்
367. ऋश्यशृंगाश्रमन्यस्तभोगलिंगः — ருஷ்யசிருங்கர் ஆச்ரமத்தில் போக லிங்கத்தை வைத்தவர்
368. ऋतंभरी — (உலகெங்கும் பரவியிருக்கும் ஸத்யத்தை அறிவதற்கான) ருதம்பரா (ப்ரஜைஞ எனப்படும் ஞானத்தை) கொண்டவர்
369. शारदामान्यसंदेशः — சாரதையால் மதிக்கப்பட்ட (நீ பூமியில் ஆங்காங்கு இருந்து மக்களுக்கு அருள வேண்டும் என்ற) வேண்டுகோளை விடுத்தவர்
370. सर्वज्ञः — எல்லாம் அறிந்தவர்
371. सर्वपापनुत् — எல்லா பாபங்களையும் நீக்குபவர்
372. शारदामठसंस्कृतशारदापीठपावनः — சாரதையின் நிற்பிடத்தில் சாரதா பீடத்தை நிறுவி பவித்ரமாக்கியவர்
373. शारदास्थापनापूतऋश्यशृंगगिरिस्थलः — சாரதையை ஸ்தாபித்ததால் ருஷ்யச்ருங்ககிரியை சிறப்படையச்செய்தவர்
374. अशरीरवचोव्यूढकामकोटिमठस्थितिः — அசரீரியின் சொல்படி காஞ்சி மடத்தை நிறுவி வளர்த்தவர்
375. कामकोटिमहापीठमध्यदृश्यमहामणिः — कामகோடி மஹா பீடத்தில் காணப்பட்ட பெரிய மணியைப் போன்றவர்
376. कालघ्नः — (சிவனார் வடிவத்தில்) யமனை அடக்கியவர்
377. कामधुक् — விரும்பிய (பலன்களை) அளிப்பவர்
378. कांतः — அன்பிற்குரியவர்
379. शारदाजैत्रवाङ्मुखः — சாரதையையே ஜயிக்கும் வாக்கை வாயில் கொண்டவர்

380. कामकोटिधरागोष्ठी — कामகோடி பூமியை தனது கொட்டில் போல் (இருப்பிடமாக) கொண்டவர்
381. कर्मदिकुलशेखरः — யதிகளின் குழாமுக்கு தலையாயவர்
382. शिष्यसंघपरज्ञानव्रततीदोहदप्रदः — சிஷ்யர்கள் கூட்டத்திற்கு பர (வஸ்துவின்) ஞானமாகிய கொடி (வளருவதற்கான) ஊட்டச்சத்தை அளிப்பவர்
383. मठान्नायमहान्नायसेतुकेरलधर्मकृत् — மடங்களின் ஆம்நாய (ஸம்ப்ரதாயங்களைத் தெரிவிக்கும்) பெரியதான ஆம்நாய ஸேது என்ற கேரள (தேசத்தில் ப்ரஸித்தமான?) நூலை யாத்தவர்
384. पुर्यततीर्थप्रमुखशिष्यागमविवेचनः — தீர்த்த முதல் புரீ வரையிலான சிஷ்ய ஸம்ப்ரதாயங்களைப் பாகுபடுத்தியவர்
385. आनन्देंद्राभिधापूर्वसरस्वत्याह्वयागमः — (அதில்) ஸரஸ்வதீ என்பதற்கு முன்பு ஆநந்த இந்த்ர (என்ற இரு) பதங்களும் (தனித்தனியே பயன்படுத்தப்படுவதற்கான) முறையையும் (வகுத்தவர்)
386. आनन्दमयजानंदिवाग्जयख्यातवाक्पदः — ஆநந்தமய (அதிகரண தெளிவாக்கத்தால் லௌகிக) ஆநந்தமே ப்ரஹ்மம் (என்று சொல்பவர்களை) ஐயித்து புகழ்பெற்ற சொல்லாண்மையை உடையவர்
387. योगेश्वरार्चानिरतः — யோகேஸ்வரரை ஆராதிப்பதில் முனைந்தவர்
388. योग्यः — யோக்யதை உடையவர்
389. योगविदां वरः — யோகம் அறிந்தவர்களில் சிறந்தவர்
390. सुस्थितः — செளக்கியமாக இருப்பவர்
391. सुस्थिरः — அசைக்க முடியாதவர்
392. स्निग्धः — மென்மையானவர்
393. स्थासुः — அழியாதவர்
394. स्थेमा — உறுதித்தன்மையே (வடிவமானவர்)

395. स्थितिप्रदः — (தன் சுய) நிலையில் (உறுதியாக நிற்கும் தன்மையை) அருள்பவர்
396. सत्यव्रतपदप्राप्तब्रह्मीभावः — (அவதார இறுதியில்) ஸத்யவ்ரதம் (எனப்படும் காஞ்சீ) க்ஷேத்ரத்தில் ப்ரஹ்மத்தில் ஒன்றியவர்
397. अशरीरवान् — உடலற்றவர் (உடலில் அபிமானம் அற்றவர்)
398. दुस्तरापारसंसारपारतारणकृत्तरिः — தாண்டுவதற்கரியதான எல்லையற்ற(தாகத் தோன்றும்) ஸம்ஸாரத்தின் எல்லைக்கு சேர்ப்பிக்கும் படகானவர்
399. कृत्तारिवर्गसंशांतस्वांतलक्ष्यस्ववैभवः — (காமம் க்ரோதம் முதலிய) எதிரிக்கூட்டங்களை அறுத்ததால் சாந்தமடைந்த மனதினால் (ப்ரஹ்ம ஸ்வரூபமாகிய) தன் பெருமையை அறியக்கூடியவர்
400. अनातुरः — சோர்வில்லாதவர்
401. अतुलितः — ஒப்பிட முடியாதவர்
402. सद्धृत्तः — நன்னடத்தை உடையவர்
403. साधुदर्शनः — தரிசனம் செய்ய உகந்தவர்
404. षड्दर्शनीपारदृश्वा — (ந்யாயம் முதலிய) ஆறு தரிசனங்கள் (என்ற சாஸ்த்ரங்களில்) கரைகண்டவர்
405. षडध्वातीतमानसः — (வர்ணம் பதம் முதலியதாக உபாஸனா ஸாஸ்த்ரங்களில் சொல்லப்படும்) ஆறு பாதைகளையும் கடந்த (ப்ரஹ்மத்தில் ஒன்றிய) மனதை உடையவர்
406. अदोषः — குற்றமில்லாதவர்
407. दुर्जयः — வெல்ல இயலாதவர்
408. अदूनः — தாபப்படாதவர்
409. दुर्धर्षः — மிரளச்செய்யவியலாதவர்
410. अपुनर्भवः — மீண்டும் பிறவாதவர்
411. शुद्धः — சுத்தமானவர்

412. बुद्धः — தன் சொருபத்தை அறிந்தவர்
413. प्रबुद्धात्मा — விழிப்படைந்த ஆத்மாவானவர்
414. सिद्धः — (பிறவி) பயன்பெற்றவர்
415. प्रेद्धः — பலமான (ஞான) ப்ரகாசமுடையவர்
416. समुद्धरः — ஆபத்துகளில் இருந்து மீட்டெடுப்பவர்
417. समिद्धः — (சம தமாதி குணங்களால் ஞானத்தீ) நன்கு ஓளிரப்பெற்றவர்
418. प्रतिभाविद्धः — (சமயோசித புதிய யோசனைகள் வரக்கூடிய) அறிவுக்கூர்மை நிறைந்தவர்
419. सारज्ञः — சாரத்தை அறிந்தவர்
420. सर्वशास्त्रवित् — எல்லா சாஸ்த்ரங்களையும் அறிந்தவர்
421. सुधास्वादुवचाः — அமுதமனைய இனிய மொழியினர்
422. सूक्ष्ममतिः — சூக்கும அறிவுள்ளவர்
423. मोहतमोरविः — மோகமென்னும் இருளுக்கு சூரியன் போன்றவர்
424. महायशः — பெரும் புகழ்கொண்டவர்
425. महाशीलः — பெரும் ஒழுக்கத்தை கொண்டவர்
426. महौजाः — பெரும் காரியத்திறன் பெற்றவர்
427. महामुनिः — பெரும் முனிவர்
428. महनीयः — மதிக்கத்தக்கவர்
429. महासत्त्वः — பெரும் (ஆத்ம) பலத்தை கொண்டவர்
430. माननार्हः — மரியாதைக்கு உரியவர்
431. महार्थवित् — பெரும்பொருளை அறிந்தவர்
432. मायातत्त्ववित् — மாயா தத்துவத்தை அறிந்தவர்
433. अव्यग्रः — பதட்டமில்லாதவர்

434. महीमंडलपंडितः — பூ மண்டலத்தில் (தலைசிறந்த) பண்டிதர்
435. मातृकृत्यासाह्यकर्मशप्तकेरलभूसुरः — தாயாரின் க்ருத்யத்திற்கு ஒத்தாசை செய்யாத கேரள ப்ராஹ்மணர்களுக்கு சாபம் அளித்தவர்
436. यथाप्रतिश्रवाचीर्णस्मृतमातृप्रतिश्रुतिः — நினைத்தவுடன் (வருவேன் என்ற) தாயிடம் செய்த ப்ரதிஜ்ஞையை சொல்லியவண்ணம் செய்தவர்
437. रवींद्रदृक् — (சிவனார் வடிவில்) ஸூர்யனையும் சந்த்ரனையும் கண்களாகக் கொண்டவர்
438. दोर्मथोत्थाग्निसंदीपितांबिकः — தோளைக் கடைந்ததால் உருவான அக்னியால் தாய்க்கு தீயளித்தவர்
439. रसज्ञः — ரஸமான (பரம்பொருளை) அறிந்தவர்
440. रसितान्नायः — வேத ஸாஸ்த்ரங்களின் சுவையை அறிந்தவர்
441. रागद्वेषहरः — ஆசை துவேஷம் ஆகியவற்றை நீக்குபவர்
442. महत् — மகத்தானவர்
443. राजयोगी — ராஜ யோகி
444. आप्तकामः — விரும்பியதை அடைந்தவர்
445. निराशः — ஆசைகள் இல்லாதவர்
446. मातृवत्सलः — அன்னை போன்ற அன்புடையவர்
447. कामतंत्रकलास्यर्थकायांतरनिवेशनः — காம ஸாஸ்த்ர கலையை அறிய (ஒரு இறந்த அரசனின் சரீரத்தில்) பரகாய ப்ரவேசம் செய்தவர்
448. काव्यरत्नविनिर्माणलब्धोदात्तकविप्रथः — (அவ்வடிவில்) சிறந்த காவ்யத்தை நிர்மாணித்ததால் உயர்ந்த கவி என்ற புகழைப் பெற்றவர்
449. माधुर्यधुर्यफणितिः — இனிமையில் முன்னிற்கும் சொற்களைக் கொண்டவர்
450. मधुराधीशमानितः — மதுரையை (ஆண்ட) அரசனால் மதிக்கப்பட்டவர்
451. ज्योतिःपुरेशविनुतः — ஜ்யோதிபுரத்தின் அரசனால் வணங்கப்பட்டவர்

452. पारेजयपुरस्थितिः — ஜயபுரத்துக்கு அப்பாலும் வசித்தவர்
453. विरूपाक्षस्थलासेवी — விருபாக்ஷ தலத்தில் நெடிது தங்கியவர்
454. विजयाख्यपुरीचरः — விஜயபுரத்திற்கு (விஜயம்) செய்தவர்
455. विदिशादेशविहतिः — விதிஸா தேசத்தில் மகிழ்ந்திருந்தவர்
456. विश्वनाथपदप्रियः — வில்வநாதபுரியான (காசியை) விரும்பியவர்
457. पाटलीपुत्रसंस्थानः — பாடலிபுத்திரத்தில் தங்கியவர்
458. विष्णुपादप्रसेवनः — (கயா) விஷ்ணுபாதத்தை நன்கு சேவித்தவர்
459. गयावटद्रुमूलस्थः — கயாவில் ஆலமரத்தடியில் தங்கியவர்
460. भद्राचलनिरूढधीः — பத்ராசலத்தில் ஆழ்ந்த அபிமானமுள்ளவர்
461. वृंदावनांतसंचारी — பிருந்தாவன பகுதியில் சஞ்சரித்தவர்
462. व्यासाचलबिलाश्रयः — வ்யாஸாசல குகையையும் அண்டியவர்
463. ओंकारकुंडविहतिः — ஓங்கார குண்டத்தில் மகிழ்ந்திருந்தவர்
464. मल्लिकार्जुनमग्नधीः — மல்லிகார்ஜுனத்தில் ஆழ்ந்துள்ள மனத்தினர்
465. श्रीपंचनदपंचास्यशिष्यषंडनिषेवितः — திருவையாற்றில் சிவபெருமானின் அடியார்கள் குழுவினால் வணங்கப்பட்டவர்
466. अहोबिलगुहारायः — அஹோபில குகையில் ஓய்வெடுத்தவர்
467. कमलाक्षः — தாமரைக்கண்ணர்
468. कलानिधिः — கலைகளுக்கு இருப்பிடமானவர்
469. कलिध्वंसी — கலியை துவம்சம் செய்பவர்
470. कामरूपः — தன்னிச்சையில் உருவை மாற்றிக்கொள்ளக்கூடியவர்
471. कामचारः — விரும்பிய இடத்திற்கு செல்லவல்லவர்
472. कलामयः — கலைகளே வடிவமானவர்
473. परमेशी — பரம்பொருளில் நிலைத்தவர்

474. वशप्राणः — ப்ராணனை வசப்படுத்தியவர்
475. कामाक्षीसेवनोत्सुकः — காமாக்ஷியை சேவிக்க விரும்பியவர்
476. प्राणदः — உயிர் அளிப்பவர்
477. प्रणयी — அன்பிற்குரியவர்
478. पुष्टः — வலுவானவர்
479. सर्वतंत्रस्वतंत्रधीः — எல்லா சாஸ்த்ரங்களிலும் ஸ்வதந்த்ரமாக ஸஞ்சரிக்கவல்ல புத்தியைக் கொண்டவர்
480. स्वतंत्रात्मा — ஆத்ம தளைகளற்றவர்
481. नास्तिकांतकृत् — நாஸ்திகர்களுக்கு முடிவுகட்டியவர்
482. प्रधीः — மிக்க புத்திமான்
483. आसनाध्ववित् — (யோக) ஆஸன மார்க்கத்தை அறிந்தவர்
484. दग्धक्षपणकोत्सेधः — ஜைனர்களின் அத்துமீறல்களை பொசுக்கியவர்
485. दाक्षिण्यनिधिः — பெருந்தன்மைக்கு இருப்பிடமானவர்
486. अक्षतः — பாதிக்கப்படாதவர்
487. दक्षः — சாமர்த்தியமானவர்
488. दक्षिणादिन्सिद्धः — தென் திசையிலிருந்து (வந்த) ஸித்தர்
489. कालत्रयवित् — முக்காலமும் அறிந்தவர்
490. आस्तिकः — இறை நம்பிக்கையாளர்
491. आदेशा — கட்டளை பிறப்பிப்பவர்
492. अपौरुषः — சாதாரண மனிதனினும் அதிக சக்தி உடையவர்
493. ध्वस्तकापालिकमतक्रमः — காபாலிக மத வழிமுறைகளை த்வம்ஸம் செய்தவர்
494. कामिनीविमुखः — (லௌகிக) ஆசைகளில் ஈடுபட்ட பெண்களிடம் பாராமுகமானவர்

495. काम्यः — நண்பனாக கருத்தக்கவர்
496. कर्मत्यक् — கர்மானுஷ்டானங்களின் பலனை எதிர்பாராதவர்
497. कर्मणः — கர்மானுஷ்டானங்களுக்கு ஹிதமானவர்
498. कृती — செய்யவேண்டியவற்றை செய்துவிட்டவர்
499. कल्याणगुणशीलः — கல்யாண குணங்களை உடையவர்
500. क्रियामुक्तः — செயல்களிலிருந்து விடுபட்டவர்
501. कृपाघनः — கிருபையால் நிறைந்தவர்
502. कीर्तिमान् — புகழுடையவர்
503. कृतयोगेशपूजात्रातजगज्जनः — யோக லிங்க பூஜையை செய்தமையால் உலக மக்களைக் காத்தவர்
504. धम्मिल्लपुरराज्यश्रीबालार्चननृपार्चितः — தம்மில்லபுரம் என்ற ராஜ்யத்தில் பாலா (த்ரிபுரஸுந்தரியை) அர்ச்சிக்கும் அரசனால் பூஜிக்கப்பட்டவர் (?)
505. वेदांतभास्करः — வேதாந்தத்தில் சூரியன் போன்றவர்
506. ज्ञानचंद्रः — ஞானத்தில் சந்திரன் போன்றவர்
507. ऐश्वर्यवारिधिः — சகல ஐஸ்வர்யங்களையும் பொழிபவர்
508. नेपालदेशभूपालवृषदेवोपदेशकृत् — நேபாள தேச அரசனான வருஷ தேவனுக்கு உபதேசித்தவர்
509. कैलासकूटसंस्कृतपशुपत्यर्चनाविधिः — கைலாச பர்வதத்தில் சிவனை பூஜிக்கும் வழிமுறை வகுத்தவர்
510. सौगतव्रातनिष्कासपटुः — புத்தமதக்கூட்டத்தை நீக்குவதில் திறம்பெற்றவர்
511. वैराग्यबोधकः — வைராக்யத்தை போதிப்பவர்
512. सुधीमणिः — அறிவாளிகளுக்குள் மணி போன்றவர்
513. दिव्यदर्शी — தெய்வீக (ஞான) த்ருஷ்டி உடையவர்

514. देवदैव्यहृत् — (பூமியில் அதர்மம் பெருகியதால் ஏற்பட்ட) தேவர்களின் வருத்தத்தை அகற்றியவர்
515. अभ्रमः — குழப்பம் இல்லாதவர்
516. प्रसन्नकमलादत्तदरिद्रब्राह्मणीनिधिः — ப்ரஸன்னமடைந்த லக்ஷ்மியால் ஏழை அந்தணப்பெண்ணுக்கு செல்வம் கொடுப்பித்தவர்
517. संपुल्लकुसुमप्रख्यमंदमंदस्मितांकुरः — முழுதும் மலர்ந்த பூவனைய மெல்லிய அரும்பு போன்ற புன்முறுவலை உடையவர்
518. चिन्मुद्रापरिधूतांतेवासिपुंगवसंशयः — சிந்முத்ரையாலேயே தலைசிறந்த சீடர்களின் சந்தேகங்களை விரட்டியவர்
519. हरिहारिवचोहासभस्मसात्कृतभैरवः — (நரஸிம்ஹரின் மனமுவக்கும் வாக்கின்படி) சிங்கத்தில் பயங்கர குரலாகிய அட்டஹாஸத்தால் பஸ்மமாகிய காபாலிகனுக்கு (உடலைக்கொடுக்க முன்வந்தவர்)
520. समाश्रितसुधन्वात्तपादुकानित्यपूजनः — தன்னை அண்டிய ஸுதன்வா (என்ற அரசனால்) தமது பாதுகைகளுக்கு நித்ய பூஜை செய்யப்பெற்றவர்
521. नमःशेषी — நமஸ்காரங்களையெல்லாம் பெறத்தகுந்தவர்
522. नामपरः — (பகவானின்) நாமங்களை முக்கியமாகக் கொண்டவர்
523. नंदिताशेषविष्टपः — தேவ லோகம் முழுவதும் மகிழுற வைத்தவர்
524. एकदंडी — ஒரு தண்டம் உடைய (ஸந்ந்யாஸ ஸம்ப்ரதாயத்தைச்) சேர்ந்தவர்
525. कषायी — கஷாயம் தரித்தவர்
526. मुंडी — (தலையை) முண்டனம் செய்து கொண்டவர்
527. खंडितसौगतः — பௌத்தத்தை கண்டித்தவர்
528. दिगंबरादिदुःसिद्धसिद्धांतविनिर्बहणः — சித்தர்கள் என்று (தம்மைத்தாமே சொல்லிக்கொள்ளும்) திகம்பரர்களின் சித்தாந்தங்களை நசுக்கியவர்
529. मल्लिकाश्वेतदशनः — மல்லிகைகளைப் போன்ற வெண்ணிற பற்களை உடையவர்

530. महिलादूरमानसः — பெண்களின் நினைப்பிலிருந்து மிகவும் விலகியவர்
531. कामारिमूर्तिः — காமத்தின் எதிரி வடிவானவர்
532. कुतुकी — ஆநந்தமும் உத்ஸாஹமும் கொண்டவர்
533. कमनीयगुणाकरः — விரும்பத்தக்க குணங்கள் இருக்கும் சுரங்கம் போன்றவர்
534. सोमोद्भवातटीक्लृप्तसौम्यगोविंदसेवनः — (சந்த்ரனிலிருந்து உருவான) நர்மதா நதிக்கரையில் ப்ரஸந்நமான கோவிந்த (பகவத்பாதருக்கு) ஸேவை செய்தவர்
535. मालिकाप्रियचालुक्वराजपूजितविग्रहः — மாலிகாப்ரியன் என்ற சாளுக்ய அரசனால் (கனகாபிஷேகாதிகளால்?) உடல் முழுதும் பூஜிக்கப்பட்டவர்
536. अत्याश्रमवरिष्ठः — (நான்கு) ஆச்ரமங்களை தாண்டிய நிலையை அடைந்தவர்களில் தலைசிறந்தவர்
537. श्रीः — (ஞானமாகிய நீங்காத) செல்வமாக (தாமே ஆனவர்)
538. श्रितकल्पद्रुमः — அண்டியவர்களுக்கு கற்பக வருக்ஷமானவர்
539. अश्रमः — களைப்பற்றவர்
540. मरुद्वृधाजलस्नायी — காற்றினால் தூண்டப்பட்ட (அலைகள் கொண்ட நதிகளில்) ஸ்நானம் செய்தவர்
541. घटोद्भवसुदर्शनः — (காலடியில்) கும்பமுனியை தரிசித்தவர்
542. स्वयंविनम्रवृक्षाग्रशाखार्पितफलाशनः — தாமாகவே குனிந்து மரங்களின் நுனிக்கிளைகள் அர்ப்பணித்த பழங்களை உண்டவர்
543. वर्षद्वलाहकोन्मुक्तनीरासाराध्वमध्यगः — பொழியும் மேகங்கள் கொட்டும் நீர்ப்பெருக்குடன் (கூடிய) பாதைகளில் (பாதிப்பின்றி) செல்பவர்
544. समुज्ज्वलद्वज्वालादत्तवीथीवनाश्रयः — கொழுந்துவிட்டெரியும் காட்டுத்தீ (விலகி) அளித்த பாதையால் காட்டை அடைந்தவர்
545. शरारुमृगनिर्व्यूढसरणीयसृतिक्रमः — ஹிம்ஸிக்கக்கூடிய மிருகங்கள் (தாமே) விலகியளித்த செல்லவேண்டிய பாதைகளில் ஸஞ்சரித்தவர்

546. सदानुकूलपवनः — காற்றினால் எப்போதும் அனுகூலம் செய்யப்பட்டவர்
547. वसिष्ठः — (நீங்காத) செல்வம் உடையவர்களில் சிறந்தவர்
548. वाग्यतः — மௌனமாக இருப்பவர்
549. वरः — சிறந்தவர்
550. समीभवत्समुत्पातः — (செல்லும் பாதையில் அந்தந்த ஊர்மக்களின் வினையால் ஏற்பட்ட) அஸுப அடையாளங்கள் தாமே அடங்கப்பெற்றவர்
551. पांसून्मुक्तपथांतरः — தூசிகளற்ற (சுத்தமான) பாதைகளில் சென்றவர்
552. तुषारशीकरस्पृष्टश्लिष्टपिष्टादनक्रियः — பனி (அல்லது நதி/மழை நீர்) தெறித்துபட்டதனால் மிருதுவான (சத்து) மாவை (மட்டும்) சாப்பிடுவதை வழக்கமாகக் கொண்டவர்
553. मकरंदझरीमान्यमधुरोक्तिः — மகரந்தத் (தேன்) வழிவது போல் மதிக்கத்தக்க இனிமையான சொற்கள் கொண்டவர்
554. महाकविः — பெரும் புலவர்
555. कमंडलूदरकोडीकृतकल्लोलिनीझरः — அலைபுரளும் (நர்மதா) நீர்ப்பிரவாஹத்தை கமண்டலுவுக்குள்ளே அடக்கியவர்
556. अमृष्टभस्मक्लिन्नांशुकांतनीरचरस्थितिः — (நீரில் இறங்கியும்) அழியாத திருநீறும் நனைந்த வஸ்தரத்தின் நுனிப்பகுதியில் மீன்களும் கூடியவர்
557. वेलाधामव्युदस्ताब्धिः — எல்லைக் கரையில் ஸமுத்ரத்தை விரட்டியவர் (கதை தேட வேண்டும்)
558. मृतसंजीवनेक्षणः — இறந்தவர்களை உயிர்ப்பிக்கவல்ல பார்வையை உடையவர் (கோகர்ணத்தில் அவ்வாறு ஆசார்யாள் செய்ததாக சரித்ரம்)
559. महाव्याधिप्रशमनः — பெரும் வியாதிகளை குணமாக்குபவர்
560. मदघ्नः — செருக்கை அழிப்பவர்
561. मृगवश्यकृत् — மிருகங்களை தன்வசம் கொண்டவர்
562. जडकुब्जादिसंभाषी — ஜடம் கூன் உடையவர் முதலியோரிடமும் (கருணையுடன்) ஸம்பாஷித்தவர் (ஹஸ்தாமலகர் ஜடம் போல் காட்சியளித்தவர்)

563. लतापुष्पकृतार्चनः — கொடிகளிலிருந்து (தானாக உதிர்ந்த) பூக்களால் அர்ச்சனை செய்தவர்
564. सौवस्तिकक्रोष्टुबृन्दः — (காட்டுப்பகுதிகளில் ஸஞ்சரிக்கையில்) ஓநாய்க்கூட்டங்கள் முன்செல்லப்பெற்றவர்
565. सौखसुप्तिकौशिकः — (இரவில்) உறங்கவில்லையா என்று ஆந்தைகளால் கேட்கப்பெற்றவர்
566. सौप्राभातिककाकोलः — (காலையில்) காக்கைகளால் ஸுப்ரபாதம் பாடப்பெற்றவர்
567. सौखासनिकपन्नगः — (பாறைகள் முதலியவற்றிலிருந்து விலகி) சௌகரியமாக அமர ஸர்ப்பங்களால் ஆஸனம் அளிக்கப்பட்டவர்
568. सौखगायनकृद्भेकः — (மழைக்காலத்தில்) இனிய பாடகர்களின் கோஷ்டியை உருவாக்கும் தவளைகளால் (உபசரிக்கப்பட்டவர்)
569. सौवातिथ्यकपुष्पलिट् — தேனீக்களால் (தேனாகிய மதுபர்க்கம் அளித்து) அதிதி உபசாரம் செய்யப்பட்டவர்
570. सौवागतिकशार्दूलः — புலிகளால் வரவேற்பு சொல்லப்பெற்றவர்
571. सौखोन्मृष्टिकवृश्चिकः — (பாறை முதலியவற்றிலிருந்து எழுந்துகொள்ளும்போது அப்பால் சென்று விழுவதால்) தேள்களால் சரியாக உதறிக்கொண்டீரா என்று நிம்சயம் செய்விக்கப்பட்டவர்
572. सौस्नातिकप्रस्रवणः — நீர்வீழ்ச்சிகளில் நன்கு நீராடியவர்
573. सौवभ्यंजनिकांबुदः — மேகங்களால் எண்ணெய் தேய்த்துக்கொள்வது போல் (உடலைப் பளபளக்கவைக்கும் மழை) பொழிவிக்கப்பட்டவர்
574. सौवीजितिकवातूलः — பெருங்காற்றுகளால் நன்று விசிறிவிடப்பட்டவர்
575. सौवनातपिकद्रुमः — மரங்களால் வெயிலிலிருந்து நன்கு பார்த்துக்கொள்ளப்பட்டவர்
576. सौवासितिकपंचास्यः — ஸிம்ஹங்களைப் போல் (கம்பீரமாக) அமர்பவர்

577. सौबंधसिकवाहसः — மலைப்பாம்புகளைப் போல் (ஒரு முறை) போதுமான அளவு உண்டு (வெகு காலம் த்ருப்தியுடன்) இருப்பவர்
578. सौविहासिकमत्तेभः — மதம்பிடித்த யானைகளானைய அழகிய புன்முறுவல் உடையவர்
579. सौवध्युषितकृद्दुहः — குறைகளில் ஸுகமாக தங்கியவர்
580. सौप्रस्थितककांतारः — (ஆங்காங்கு) எளிதில் கிளம்பி போவதற்கு பெருங்காட்டினால் (நல்ல பாதை அளிக்கப்பட்டவர்)
581. सौशाकुनिकमौकलः — காக்கைகளால் சுப சகுனமாக கரையப்பெற்றவர்
582. सौवापीतिकवेशंतः — குளங்களில் த்ருப்தியாக நீர் பருகியவர்
583. सौजग्धिकफलेग्रहिः — பழுத்த மரங்களினால் நன்கு உண்டவர்
584. सौविलिप्तिकभूधूलिः — பூமி தூசி (உடல்முழுதும் சந்தனம்போல்) நன்கு பூசப்பெற்றவர்
585. सौवस्त्रकपटच्चरः — கந்தராதையை உயர்ந்த வஸ்த்ரம் போல் தரிப்பவர்
586. सौजापितिकभल्लूकः — ஜபங்கள் நன்கு நடக்கின்றனவா என்று (விசாரிப்பதுபோல் இடையூறு செய்யாமல்) கரடிகள் அப்பால் செல்லப்பெற்றவர்
587. सौवधीतिकचातकः — சாதக (பறவைகள் குரல் கொடுப்பதால்) பாராட்டப்பட்ட (உபநிஷத் முதலிய) உயர்ந்த பாராயணம் செய்தவர்
588. सौसंविष्टिकगोपुच्छः — நன்கு உறங்கினீர்களா என்று குரங்குகளால் (வந்து விசாரிக்கப்பட்டவர்)
589. सौवुद्धीतिककोकिलः — அழகிய பாட்டுகளால் குயில்களால் போற்றப்பட்டவர்
590. सौखप्रबुद्धिकश्वावित् — (காலையில் இங்குமங்கும் ஸஞ்சரிக்கையில்) முள்ளம்பன்றிகளால் (எங்கள் மேல் மோதிக்கொள்ளாமல் இருக்க) நன்கு விழித்துக்கொண்டீர்களா என்று விசாரிக்கப்பட்டவர்
591. सौवाहिकदिवाकरः — பகல் காரியங்களுக்கு சூரியனால் அனுகூலம் செய்யப்பட்டவர்

592. सौरात्रिकतुषारांशुः — இரவு காரியங்களுக்கு சந்திரனால் அனுகூலம் செய்யப்பட்டவர்
593. सौयामिकदिवानिशः — பகல் இரவும் சேர்ந்து அனுகூல பொழுதுகள் அளிக்கப்பட்டவர்
594. अवाक् — (நிர்குண ஸ்வரூபத்தில்) வாக்கு அற்றவர்
595. अकायः — (நிர்குண ஸ்வரூபத்தில்) உடலற்றவர்
596. अचित्तः — (நிர்குண ஸ்வரூபத்தில்) மனம் அற்றவர்
597. दंडी — தண்டம் ஏந்தியவர்
598. द्वैततमोरविः — தவைதம் எனும் இருளுக்கு சூரியன் போன்றவர்
599. षड्गुणः — (ஆளுகை, தர்மம், புகழ், செல்வம், ஞானம், வைராக்யம் ஆகிய) ஆறு குணமுடைய (பகவத்ஸ்வரூபமானவர்)
600. सप्तभंगीस्याद्वादभेदी — (இருக்கலாம், இல்லாமல் போகலாம் முதலிய) ஏழு விதமாக “இருக்கலாம்” என்று சொல்லும் (ஜைன மதத்தை) உடைத்தவர்
601. अष्टसिद्धिमान् — எட்டு (பெரிய) சித்திகள் உடையவர்
602. त्र्यक्षमूर्तिः — முக்கண் உடைய (அம்பாள்/சிவன்) வடிவினர்
603. चतुर्वर्गसुरभिः — நான்கு புருஷார்த்தங்களை (பொழியக்கூடிய) காமதேனுவானவர்
604. बुद्धिवेषिता — ஞானத்தை (உணவுபோல்) பரிமாறக்கூடியவர்
605. श्रीनवावरणार्चादिविद्याचार्यः — ஸ்ரீ நவாவரண அர்ச்சனை முதலான வித்யைகளுக்கு ஆசிரியர்
606. अदशः — (கர்ப்பவாஸம், பாலியம் முதலிய ஸரீர்) நிலைகள் அற்றவர்
607. अजरः — வடிவழகு குன்றாதவர்
608. रुद्रैकादशिनीजापस्त्रपितार्धैदुशेखरः — பதினோரு முறை ருத்ரம் ஜபம் செய்வித்து பிறைகூடிக்கு அபிஷேகம் செய்வித்தவர்
609. निर्गन्धः — (தற்) பெருமையற்றவர்

610. न्यस्तकर्मौघः — (உலகச்) செயல்களாகிய ப்ரவாஹத்தை விடுத்தவர்
611. निःश्रेयसरतः — ஒப்பில்லா ஆனந்தத்தில் எப்போதும் திளைத்திருப்பவர்
612. अरतिः — (லௌகிக) ஸுகத்தை நிராகரித்தவர்
613. निरंतः — முடிவில்லாதவர்
614. नीरुजः — வலியற்றவர்
615. अनीडः — (தனக்கென தனி) இடம் வைத்துக்கொள்ளாதவர்
616. नियमव्रजधूर्वहः — பலவித கட்டுப்பாடுகளை திறம்பட நிர்வகிப்பவர்
617. निगुंभशतनिर्दिष्टनिर्दुष्टाद्वैतपद्धतिः — நூற்றுக்கணக்கான குழாம்களுக்கு குற்றமற்ற அத்வைத பாதையைக் காட்டியவர்
618. संक्षेपशारीरककृत्सर्वज्ञात्मार्षितासनः — ஸங்க்ஷேப ஸாரீரகம் செய்த ஸர்வஜ்ஞாத்மாவுக்கு (தமக்கு பிறகு காஞ்சீ காமகோடி பீட) ஆஸனத்தை அளித்தவர்
619. नैष्कर्म्यसिद्धिकृद्दार्तिककृद्देवेश्वरांतरः — நைஷ்கர்ம ஸித்தியை செய்தவரும் வார்த்திகத்தை செய்தவருமான ஸுரேஸ்வரரை (ஸர்வஜ்ஞாத்மாவுக்கு முன்) அடுத்தவராக்கியவர்
620. पुष्टीकापंचपादीपाठतोषितपद्मपत् — எரிந்துபோன உரையின் ஐந்து பாதங்களை ஒப்பித்து பத்மபாதரை சந்தோஷப்படுத்தியவர்
621. हस्तामलकिताध्यात्महस्तामलकहंसकः — ஆத்ம தத்துவத்தை உள்ளங்கை நெல்லிக்கனி போல் கொண்ட ஹஸ்தாமலகருக்கு துறவறமளித்தவர்
622. बहुमंदानंदगिरितोटकप्रकटाय्यधीः — மிகவும் சுமாரான (திறம்கொண்டிருந்த) ஆநந்தகிரி (என்ற சீடர்) தோடகம் (எனும் யாப்பில் குருவைத் துதித்து
623. चित्सुखाचार्यकृष्णात्मचर्याविरव्यापिताश्रमः — சித்ஸுகாசார்யரால் இயற்றப்பட்ட தன் சரிதையால் விளக்கப்பட்ட ஆஸ்ரம (நிஷ்டையை) உடையவர்

624. उपदेशसहस्रादिप्रथितप्रकटाद्वयः — உபதேஸ ஸாஹஸ்ரீ (முதலிய (நூல்களால்) பரவலாக (பலரும் பயன்பெற) அத்வைதத்தை விளக்கியவர்
625. आम्नायाष्टकनिर्देश — ((ஞான மார்க்கத்திற்கு ஸாதனமான) எட்டு ஆம்னாயங்களுக்கு வழிகாட்டி
626. मध्यमास्त्रायनिष्ठितः — மத்யம (நடு) ஆம்னாயத்தில் (தானே முதல் பீடாதிபதியாக) நிலைத்தவர்
627. विजृम्भणदशाध्वस्ततथागतपथागतः — (இந்த ஆம்னாயங்கள்) வளருவதால் (நாஸ்திகராகிய) புத்த மதத்தினவரை த்வம்ஸம் செய்தவர்
628. द्वारकामठनिर्माता — (முதல் ஆம்னாயத்திற்கு) துவாரகா மடத்தை நிர்மாணித்தவர்
629. कालिकापीठकल्पकः — காளிகா(வை ஆம்னாய ஸக்தியாகக் கொண்ட) பீடத்தை உருவாக்கியவர்
630. सिद्धेश्वरसपर्याकृत् — (ஆம்னாய ஈஸ்வரராக) ஸித்தேஸ்வரரை வழிபட்டவர்
631. भद्रकालीप्रसादनः — (ஆம்னாய ஸக்தியான) பத்ரகாளியை சந்தோஷப்படுத்தியவர்
632. छंदोगः — (ஆம்னாய வேதமான) ஸாமவேதத்தை ஓதியவர்
633. कीटवारस्थः — பூச்சிகளை இம்சிக்காமல் இருக்கும் (ஆம்னாய) விரதம் கொண்டவர்
634. गोमतीतीर्थसेवनः — கோமதீ (என்னும் நதியை ஆம்னாய) தீர்த்தமாக சேவித்தவர்
635. स्वरूपब्रह्मचार्यपद्मपादनिदेशकृत् — (ப்ரஹ்ம) ஸ்வரூபர் என்ற ப்ரஹ்மசாரிக்கு ஆசானான பத்மபாதருக்கு வழிகாட்டியவர்
636. आश्रमी — (இந்த ஆம்னாயத்திற்கு தஸநாமிகளில்) ஆஸ்ரம எனும் பட்டம் அளித்தவர்
637. तत्त्वमस्यादिमहावाक्यार्थरूपवान् — (ஸாமவேதத்தின்) தத்த்வமஸி (என்பதை) முதலாகக் கொண்டு (உபதேசித்த) மஹா வாக்கிய வடிவானவர்

638. ज्योतिर्मठकरः — (இரண்டாம் ஆம்னாயத்திற்கு) ஜ்யோதிர் மடத்தை நிறுவியவர்
639. ज्योतिष्मतीपीठनिदेशकृत् — ஜ்யோதிஷ்மதீ பீடத்துக்கு வழிகாட்டியவர்
640. बदर्याश्रमसंस्थानः — பதரிகாஸ்ரமத்தை இருப்பிடமாகக் கொண்டவர்
641. अलकनन्दावगाहनः — அலகாநந்தாவில் நீராடியவர்
642. आथर्वणांगिरोवेदी — அதர்வாங்கிரஸ வேதத்தை அறிந்தவர்
643. श्रीपूर्णागिरिसेवकः — ஸ்ரீ பூர்ணாகிரி (எனும் தேவியை) சேவித்தவர்
644. गोवर्धनमठीनाथः — (மூன்றாவது ஆம்னாயத்திற்கான) கோவர்த்தன மடத்தின் தலைவர்
645. गिरियोगपटाश्रयः — (தஸநாமிகளுள்) கிரி என்ற யோகபட்டத்தை (சில ஸிஷ்யர்களுக்கு) ஆஸ்ரயித்தவர்
646. पुरुषोत्तमसत्क्षेत्री — புருஷோத்தமரின் நல்ல க்ஷேத்ரத்தில் இருந்தவர்
647. विमलापीठकल्पकः — விமலா பீடத்தை முறைப்படுத்தியவர்
648. शतानन्दः — (உலகாயத ஆனந்தத்தை விட) நூறு நூறு மடங்கு ஆனந்தம் கொண்டதாக (உபநிஷத்தில் வர்ணிக்கப்பட்டவர்)
649. शतौजाः — (அவ்வாறே) நூறு நூறு மடங்கு ஸக்திகளையும் கொண்டவர்
650. दशेंद्रियविनिग्रहः — பத்து இந்திரியங்களையும் அடக்கியவர்
651. श्रीतुंदिलितदेशश्रीऋश्यशृंगगिरिश्रयी — (நான்காவது ஆம்னாயத்திற்கு) அழகு கொழிக்கும் தேஸமாகிய ருஸ்யஸ்ருங்க கிரியில் தங்கியவர்
652. शारदावचनख्यातव्याख्यापीठाधिरोहणः — வ்யாக்யான பீடத்தில் அமரும்படி ஸாரதையின் வாக்கினால் அருளப்பட்டவர்
653. रामचंद्रपुरक्षेत्री — ராமசந்த்ரபுரம் என்ற க்ஷேத்ரத்தில் வசித்தவர்
654. तुंगभद्रातटाश्रमी — துங்கையும் பத்ரையும் (கூடுமிடத்தின்) தடத்தில் ஆஸ்ரமம் அமைத்தவர்

- 79

668. कंपावेगवतीचरः — கம்பா வேகவதீ நதிகளுக்கு இடையில் சஞ்சரித்தவர்
669. एकाम्रनाथचरणसरोजातमधुव्रतः — ஏகாம்ரநாதரின் திருவடித்தாமரைகளை (மொய்க்கும்) தேனீ போன்றவர்
670. कामाक्षीचरणद्वंद्वपादुकार्चनतत्परः — காமாக்கியின் இரு திருவடி பாதுகைகளையும் அர்ச்சிப்பதில் ஈடுபாடுடையவர்
671. ऋग्वेदात्मा — ருக் வேத சொரூபமானவர்
672. परब्रह्मव्यवस्थापनधीरधीः — பர ப்ரம்ஹத்தை (ஸாஸ்த்ரப்படி) நிறுவுவதில் பராக்ரமம் காட்டிய புத்தியுடையவர்
673. सत्यव्रतसमाख्यातकांच्यंतरितविग्रहः — ஸத்யவ்ரதம் எனப்படும் காஞ்சியில் (இறுதியில்) தன் உடலை மறைத்தவர்
674. सर्वज्ञपीठाध्यारोहलुप्तसार्वज्ञ्यसंशयः — ஸர்வஜ்ஞ பீடம் ஏறியதால் “இவர் அனைத்தையும் அறிந்தவரா?” என்ற ஐயத்தைத் தொலைத்தவர்
675. सुरेश्वरादिसच्छात्रसमाराधितपादुकः — ஸுரேஸ்வரர் முதலிய நல்மாணாக்கர்கள் வணங்கிய பாதுகையை உடையவர்
676. मीमांसाद्वयपारीणः — (பூர்வம் உத்தரம் ஆகிய) இரு மீமாம்ஸைகளில் கரைகண்டவர்
677. काणादाक्षपदाध्ववित् — வைஸேஷிகம் ந்யாயம் இரண்டின் பாதையையும் அறிந்தவர்
678. द्वात्रिंशदायुःकलितत्रिःप्रदक्षिणभूतलः — முப்பத்திரண்டு வயதிற்குள் மும்முறை பூமியை (பாரதத்தை) ப்ரதக்ஷிணம் செய்தவர்
679. आसेतुहिमशौलांतधर्मस्थापनदेशिकः — சேது முதல் இமாலயம் வரை தர்மத்தை நிலைநிறுத்திய ஆசிரியர்
680. विद्यावशीकृताशेषदेशविद्वज्जनार्चितः — தம் வித்யையால் பரவசமான அனைத்து தேசத்து அறிஞர்களாலும் பூஜிக்கப்பட்டவர்
681. जगद्गुरुः — உலகிற்கே குரு

682. जगद्योनिः — (ஈசனார் வடிவில்) உலகின் பிறப்பு (இருப்பு மறைவுகளுக்கு) இடமானவர்
683. शास्त्रयोनिः — (ஈசனார் வடிவில்) ஸாஸ்த்ரங்களின் பிறப்பிடம்
684. समन्वयी — (முரணாகத் தோன்றும் வேதாந்த வாக்யங்களை) ஒருங்கிணைத்தவர்
685. स्पष्टास्पष्टब्रह्मलिंगी — தெளிவாகவும் தெளிவின்றியும் பரம்பொருளைக் குறிப்பவற்றை (அறிந்தவர்)
686. सांख्ययोगविमर्शकृत् — ஸாங்க்ய யோக (ஸாஸ்த்ரங்களை) பரிசீலித்தவர்
687. वैयाकरणधीशोधी — இலக்கணம் கூறுபவர்களின் கருத்தை பரிசோதித்தவர்
688. वसिष्ठः — வசிஷ்டர் (போல் பிறரின் தாக்குதலை எளிதில் சமாளித்தவர்)
689. ककुबंबरः — (பரம்பொருள் வடிவில்) விண்ணை ஆடையாக கொண்டவர்
690. गौतमीयवचोमुद्री — ந்யாய ஸாஸ்த்ரத்தின் (குறைகொண்ட) வாதங்களை முடக்கியவர்
691. वैशेषिकमदापहः — வைசேஷிகர்களின் கருவத்தை அடக்கியவர்
692. शौद्धोदनिमदोत्सादी — புத்த மதத்தினரின் செருக்கை சீர்குலைத்தவர்
693. जैमिनीयकुदृष्टिहृत् — ஜைமினீயத்தின் குறுகிய பார்வையை முறியடித்தவர்
694. दिगंबरनयांतघ्नः — திகம்பரர்கள் கொண்டு வந்த கடைசி வாதங்களையும் அழித்தவர்
695. ध्वस्तपाशुपतक्रियः — பாசுபதர்களின் செயல்பாடுகளை சிதறடித்தவர்
696. शून्यात्मवादनिर्हर्ता — ஆத்மா (இல்லை, அனைத்தும்) சூன்யமே என்னும் வாதத்தை வீழ்த்தியவர்
697. भिन्नभागवतागमः — (ஸங்கர்ஷணன் முதலிய நான்கு வடிவங்களே இறைவனின் உண்மை வடிவம் என்ற) பாகவத மதத்தை வென்றவர்
698. विनोदनिर्मितप्रौढन्यायगंभीरभाष्यकृत् — வலுத்த ந்யாயங்களால் கம்பீரமாகவுள்ள பாஷ்யத்தை விளையாட்டாக இயற்றியவர்

699. व्याख्यातजीवचरितः — ஜீவனின் சரிதத்தை விளக்கியவர்
700. विश्वसृष्टिविशारदः — பிரபஞ்சத்தின் தோற்றத்தை கற்றுணர்ந்தவர்
701. स्थितिसीमाविभागज्ञः — இருப்பின் எல்லைகளை பாகுபடுத்த தெரிந்தவர்
702. प्रलयार्थप्रकाशकः — பிரளயத்தின் பொருளை தெளிவாக்கியவர்
703. संसारतत्त्वसंख्यावान् — சம்சாரத்தின் தத்துவத்தை அலசியவர்
704. मायातत्त्वनिरूपणः — மாயா தத்துவத்தை நிரூபணம் செய்தவர்
705. समूलाविद्यकाध्यारोपोन्मूलनविचक्षणः — அவித்யையால் ஏற்பட்ட பிரமையை அதன் காரணத்துடன் வேரறுப்பதில் வல்லுநர்
706. संसारतारणोपायसंदर्शनपटिष्ठवाक् — ஸம்ஸாரத்தைத் தாண்டும் வழியைக் காட்டுவதில் மிகவும் திறமுள்ள வாக்கினர்
707. रसिकाह्लादजनकमहावाक्यचमत्कृतिः — (அத்தைவத) ரஸிகர்களுக்கு உவகையளிக்கும்படி மஹாவாக்யங்களை செம்மையுற விளக்கியவர்
708. ध्वनिप्रधानामरुकशतश्लोकीमहाकविः — உள்ளார்த்தத்தை முக்கியமாகக் கொண்ட அமருக ஸத ஸ்லோகி என்ற நூலை இயற்றியவர்
709. ब्रह्मसूत्रब्रह्मशिखागीताप्रस्थानभाष्यकृत् — ப்ரஹ்ம ஸூத்ரம், உபநிஷதம், கீதை ஆகிய ப்ரஸ்தானங்களுக்கு விரிவுரை எழுதியவர்
710. प्रत्यग्ब्रह्मैक्यबोधाध्वदर्शी — உள்ளிருக்கும் பிரமத்துடன் ஐக்கியம் பெறும் வழியைக் காட்டியவர்
711. मोक्षाध्वदर्शकः — மோக்ஷத்தின் பாதையைக் காட்டியவர்
712. निरंतरकृतान्नायशिरोनिगदशीलनः — எப்போதும் உபநிஷதங்களின் சொற்றொடர்களையே சிந்தித்து வந்தவர்
713. वेदांतवनहर्षक्षः — வேதாந்தமெனும் அரண்யத்தில் ஸிம்ஹம் போன்றவர்
714. तत्त्वज्ञानमहोदधिः — தத்துவ ஞானத்தில் பரந்த சமுத்திரமனையவர்
715. तरुणः — இளைஞர்

716. तरुणीदूरः — (ஆனால்) இளம் பெண்களிடம் ஈடுபாடில்லாதவர்
717. तारापतिसमच्छविः — சந்த்ரனைப் போன்ற பொலிவுடையவர்
718. तारकब्रह्मतत्त्वज्ञः — கடை தேற்றும் பிரம்ம தத்துவத்தை அறிந்தவர்
719. तपस्वी — தவமியற்றியவர்
720. तापसानुगः — தவசிகளைப் பின்பற்றுபவர் (அல்லது) தவசிகளான சீடர்களை உடையவர்
721. तापत्रयविनिर्मुक्तः — (உடல், இயற்கை, பிராணிகள் ஆகிய) மூன்றாலும் ஏற்படும் இன்னல்கள் அற்றவர்
722. नलिनोक्तिनिरासकृत् — மிருதுவான சொற்களால் (மாற்றுக்கருத்துகளை) நிராகரித்தவர்
723. अलंकृती — (மனவடக்கம் மற்றும் புலனடக்கம் ஆகிய) அலங்காரங்களைக் கொண்டவர்
724. अतिमान्यश्रीः — (உலக ரீதியில்) மிகவும் மதிக்கத்தக்கவர்களால் நாடப்பட்டவர்
725. आत्मवित् — (தன் சொருபமாகிய) ஆத்மாவை (உலகின் காரணமான ப்ரஹ்மமாக) அறிந்தவர்
726. ब्रह्मवित्तमः — ப்ரஹ்மமாகிய (உலகின் காரணத்தை தன் சொருபமான ஆத்மாவாக) உணர்ந்தவர்களுள் சிறந்தவர்
727. ब्रह्मण्यः — வேதத்திற்கு ஹிதமானவர்
728. ब्रह्मभूतः — தாமே ப்ரஹ்மமாக ஆனவர்
729. स्वाधिष्ठानांचितकांचिगः — தனது இருப்பிடமாக விரும்பிய (மதிக்கத்தக்க) காஞ்சியிலேயே நிலைத்தவர்
730. कृतपुण्यस्थलीयात्रः — புண்ணிய தலங்களுக்கு யாத்திரை செய்தவர்
731. ऊर्ध्वाम्नायार्थतत्त्ववित् — (ஆறாவது) ஊர்தவ (மேலான) ஆம்னாயத்தின் தத்துவப் பொருளை உணர்ந்தவர்

732. कैवल्यक्षेत्रविजयी — (தானொன்றே இருப்பதாகிய) கைவல்யமெனும்
கேஷத்ரத்திற்கு விஜயம் செய்தவர்
733. शुद्धमानसतीर्थकः — சுத்தமான மனதையே தீர்த்தமாகக் கொண்டவர்
734. सुमेरुमूलसंचारी — (உலகிற்கு உச்சியான) மேருவின் அடியை (மடமாகக்
கொண்டு) ஸஞ்சரித்தவர்
735. मायाशक्तिविभावनः — மாயையை (பீடத்தின்) ஸக்தியாக பூஜித்தவர்
736. सत्यज्ञानाभिधाह्वानी — (இந்தர ஸரஸ்வதி முதலிய பட்டங்களுக்கு பதில்)
ஸத்யம் ஞானம் என்ற பெயர்களாலேயே அழைக்கத்தக்கவர்
737. अखंडानंदमूर्तिमान् — இடையறாத ஆனந்த மூர்த்தியானவர்
738. सोहंशिवोहंवाक्यश्रीः — ஸோஹம் (அதாவது) சிவனே நான் என்பதை
(மஹா)வாக்யமான செல்வமாகக் கொண்டவர்
739. प्रत्यगाम्नायवेदनः — (ஏழாவது) உள்ளிருக்கும் ஆம்னாயத்தை அறிந்தவர்
740. निरंजनेश्वरासेवी — (ஸம்ஸார) தோஷங்களற்ற ஈஸ்வரனை வழிபடுபவர்
741. श्रीकरः — செல்வத்தை உண்டு செய்பவர்
742. संप्रदायभृत् — சம்பிரதாயங்களை (வகுத்தளித்தமையால்) தாங்கியவர்
743. विद्यापीठमहायोगी — வித்யையை (ஸக்தியாகக் கொண்ட) பீடத்தின் மஹா
யோகி
744. परमात्ममठाश्रयः — பரமாத்மாவையே (பீடத்தின்) மடமாக ஆஸ்ரயித்தவர்
745. त्रिपुटीतीर्थविहृतिः — (அறிவு அறிபவன் அறியப்படுவது என்னும்) த்ரிபுடியே
(பீடத்தின்) தீர்த்தமாகக் கொண்டு அதில் நீராடியவர்
746. योगक्षेत्रदिवाकरः — யோகத்தையே (பீடத்தின்) கேஷத்ரமாகக் (கொண்டு
அதனை ப்ரகாஸிக்க வைக்கும்) ஸூர்யனானவர்
747. श्रीविद्याशक्तिजपनः — ஸ்ரீவித்யையை (பீடத்தின்) ஸக்தியாகக் (கொண்டு)
ஜபத்தினால் (உபாஸித்தவர்)
748. मंत्री — மந்த்ரங்களின் (இருப்பிடமானவர்)

749. संतोषनैगमी — (தன்னில்) சந்தோஷித்து இருப்பதையே ஸம்ப்ரதாயமாகக் கொண்டவர்
750. परहंसपरिव्राट् — பரமஹம்ஸ (நிலையையே ஈஸ்வர ஸ்வரூபமாகக் கொண்ட அத்தகைய நான்காம் நிலையிலுள்ள) ஸந்ந்யாஸி
751. श्रीसिद्धाख्यब्रह्मचर्यभृत् — பொலிவுடன் தன்னில் நிலைபெற்ற ப்ரஹ்மசர்யத்தைக் கொண்டவர்
752. मातृकैकमहावाक्यः — (ஐம்பது) மாத்ருகா வர்ணங்களையும் ஒரே மஹாவாக்ய வடிவில் (பார்ப்பவர்)
753. क्षेत्रज्ञः — உடலைப் பார்க்கும் ஸாக்ஷி சைதந்ய வடிவமான (ஆம்னாய பீடாதிபதியானவர்)
754. अक्षरतः परः — (உலகில்) அழியாதவை (என்று ப்ரஸித்தமானவற்றைக்) காட்டிலும் பெரியவர்
755. निष्कलाम्नायनिरतः — (எட்டாவது) நிஷ்கல ஆம்னாயத்தில் நிலைபெற்றவர்
756. शांतिदांतियुतः — சாந்தமும் பொறுமையும் உடையவர்
757. चित्तिः — சைதன்யத்தையே (சக்தியாகக் கொண்டவர்)
758. आनंदपीठसंविष्टः — ஆனந்த பீடத்தில் உறைந்தவர்
759. स्वानुभूतिपदाश्रयः — சுய அனுபவமே கேஷத்ரமாகக் கொண்டவர்
760. श्रद्धामैत्र्यादिनिर्ज्ञेयः — (ஸாஸ்த்ரத்தில்) நம்பிக்கையாலும் (மற்றவர்களிடத்தில்) நட்பாலும் அறியத்தக்க (சொரூபத்தினர்)
761. सच्चिन्मठसमाश्रयः — ஸச்சித் (ஸ்வரூபமே) மடமாகக் கொண்டவர்
762. नभस्तीर्थः — ஆகாயமே தீர்த்தமாகக் கொண்டவர்
763. नभोदशी — ஆகாயம் (போன்று ஸூக்ஷ்மமாக உள்ள பரம்பொருளைப்) பார்த்தவர்
764. नभः — ஆகாயம் (முதலிய சொற்களால் உபநிஷத்துகளில் சொல்லப்பட்ட பரம்பொருளானவர்)

765. चिच्छक्तिचिंतनः — சைதன்யம் மற்றும் அதன் ஸக்தி இவற்றை சிந்திப்பவர்
766. प्रणवप्रणयी — ப்ரணவத்தில் அமிழ்ந்தவர்
767. नम्री — (தமது குருமார்கள் விஷயத்தில்) வணங்கிய (உடலுறுப்பகளைக்) கொண்டவர்
768. नंदगोपजपूजकः — நந்த கோப குமாரனை பூஜித்தவர்
769. भूमा — (தன்னைக் காட்டிலும் பெரியது இல்லாத) பெரும்பொருளானவர்
770. ब्रह्मानंदनामा — பிரமானந்தம் என்ற பெயர் கொண்ட (ஸ்வரூபத்தினர்)
771. कूटस्थः — (ஸாக்ஷி ஸ்வரூபமாக) மாறாமல் உள்ளுறைபவர்
772. अक्षरः — அழிவில்லாதவர்
773. इष्टदः — (பக்தர்களின்) விருப்பத்தை நிறைவேற்றுபவர்
774. पराक्प्रत्यगभिन्नः — உள்ளும் வெளியும் தனித்தனியாக இல்லாதவர்
775. सकलात्मा — அனைத்திலும் உயிராக உறைபவர்
776. अकलः — பகுதிகளற்றவர்
777. पुरुः — (மாயையால்) பல (வடிவமாகத் தோன்றுபவர்)
778. पुरुषः — ஸரீரத்தில் வீற்றிருக்கும் (ஆத்ம ஸ்வரூபமானவர்)
779. पुष्कलः — ஸம்ருத்தியுடையவர்
780. पूर्णः — நிறைவானவர்
781. सत्तामात्रः — இருப்பாக இருப்பவர்
782. पुरातनः — பழமை காலமுதலே இருப்பவர்
783. भोगयोगी — நுகர்வை (ஸத்விஷயத்தில் கட்டுப்படுத்தும்) யோகத்தை அளிப்பவர்
784. योगभोगी — யோகத்தையே தன் நுகரும் பொருளாக ஆக்கியவர்
785. भुवनात्मा — உலகங்களில் உள்ளுறைபவர்
786. वनेचरः — (விரும்பத்தக்க ஒரே பொருளாகையால்) வனம் (எனப்படும்) ப்ரஹ்மத்தில் ஸஞ்சரிப்பவர்)

787. भूतिकृत् — (ஸத்கார்யங்களை செய்வதற்கு வேண்டிய) செல்வத்தை உருவாக்குபவர்
788. भूतिदः — (அத்தகைய) செல்வத்தை (அத்தகைய காரியங்களுக்காக நமக்கு) தருபவர்
789. भूतः — எங்கும் வ்யாபித்திருப்பவர்
790. भूरिशः — (பக்தர்களுக்கு அருள) பலவிடங்களில் உறைபவர்
791. भूतभावुकः — இறைவனின் ஸ்ருஷ்டியை ரசிப்பவர்
792. चक्रभृत् — (உலகத்திற்கு க்ஷேமம் ஏற்படும் வகையில் காஞ்சீபுரத்தில்) ஸ்ரீசக்ரத்தை ஸ்தாபித்தவர்
793. चक्रराजार्चासंप्रदायप्रवर्तकः — (அங்கு) ஸ்ரீசக்ர பூஜை அர்ச்சனை சம்பிரதாயத்தை செயல்படுத்தியவர்
794. चक्रिभूषणभूतात्मा — பாம்புகளை அணிகலன்களாக்கிக் கொண்ட (சிவனார்) வடிவினர்
795. चक्रपाणिनिषेवितः — (சிவனார் வடிவில்) விஷ்ணுவினால் ஸேவிக்கப்பட்டவர்
796. चक्रवर्तिशिरोभूषाशेषायितनखच्छविः — சக்ரவர்த்திகளின் தலையணிகளில் அங்கமான நககாந்தியைக் கொண்டவர்
797. चामीकरीकृतामत्रदरिद्रब्राह्मणीगृहः — ஏழை அந்தண பெண்மணியின் வீட்டில் உள்ள (மண்) கலயங்கள் அனைத்தும் தங்கமாக்கியவர்
798. चतुरोदारगंभीरवाक्यनिर्भरवादकृत् — (யுக்தியால்) சாதுர்யமிக்கதும் (கருணையால்) பெருந்தன்மை மிக்கதும் (பொருளினால்) கம்பீரம் மிக்கதுமான வாக்யங்களால் வாதம் செய்பவர்
799. चंचलः — பயணித்துக்கொண்டே இருப்பவர்
800. चंद्रचूडात्मा — பிறைகுடி வடிவினர்
801. जितचंपकनासिकः — சம்பங்கி (மொட்டை) விட (அழகிய) மூக்கை உடையவர்
802. चर्चिताशेषभूचक्रसंचारिमतसंचयः — பூமியெங்கும் ஸஞ்சரிக்கும் பலவித மதங்களை மிச்சமின்றி விசாரித்து (பதிலளித்தவர்)

803. चालिताद्वैतविज्ञानः — அத்வைத ஞானத்தை (எங்கும்) ப்ரச்சாரம் செய்தவர்
804. चरः — (பக்தர்களுக்கு அருள ஆங்காங்கு) ஸஞ்சரித்துக்கொண்டே இருப்பவர்
805. चित्री — பலவித (திறன்கள்) கொண்டவர்
806. चिदंबरः — சிதாகாஸ வடிவினர்
807. चीर्णसत्यव्रतस्थानचिरंतनसुखासिकः — ஸத்யவ்ரத ஸ்தானம் (எனும் காஞ்சியில்) சுகமாக வெகுகாலம் தங்கியவர்
808. चूर्णितच्छात्रहर्द्रन्धिः — மாணவர்களின் ஹ்ருதயத்தில் இருக்கும் சிக்கல்களை சூர்ணமாக்கியவர்
809. चूर्णपूर्णदुरास्यकृत् — துஷ்டர்களின் வாய்களை மண்ணைக் கவ்வச் செய்பவர்
810. प्रतिष्ठापकधौरेयः — ஸ்தாபனங்கள் ஏற்படுத்தியவர்களில் தலைச்சிறந்தவர்
811. प्रतिष्ठितमहायशः — பெரும் புகழை நிலைநிறுத்தியவர்
812. प्रौढविज्ञानवादिस्थगर्वसर्वकषोदितः — பெரிய (பௌத்தர்களான) விஞ்ஞானவாதிகளின் கர்வத்தை முழுவதும் தேய்ப்பதற்காக வந்தவர்
813. नंदिताशेषभूचारी — பூமியில் இருப்போர்கள் அனைவருக்கும் (நித்ய) மகிழ்ச்சியை (அளிக்கவல்ல நன்மையை உபதேசித்தவர்)
814. यतिधर्मविमर्शकृत् — துறவிகளுக்கான தர்மத்தை ஆராய்ந்தவர்/நேராக காட்டியவர்
815. दर्शिताध्यात्मयाथात्म्यः — ஆன்மிகத்தின் உண்மையைக் காட்டியவர்
816. सुधीसंघनिषेवितः — அறிஞர் கூட்டத்தால் நாடப்பட்டவர்
817. नदीनदसरस्तीर्थाप्लावपावितविग्रहः — நதி, நதம், ஏரி (முதலான) நீர்நிலைகளில் முங்கி நீராடி தூய்மை பெற்ற உடலினர் (உண்மையில் அவற்றை தூய்மைப்படுத்தியவர்)

818. पंडितव्रातपांडित्यप्रमोषणपटूदितः — (கர்வமுள்ள) பண்டிதர்கள் கூட்டத்தின் பாண்டித்யத்தை கவ்வவல்ல சொற்கள் கொண்டவர்
819. तत्पदार्थप्रकटनः — தத் பதத்தின் பொருளை பிரகடனப்படுத்தியவர்
820. त्वंपदार्थविवेककृत् — த்வம் பதத்தின் பொருளை விளங்கச் செய்பவர்
821. नित्यानंदः — எப்போதும் ஆனந்தமாக இருப்பவர்
822. निरालंबः — (சுதந்திரமாய்) எதையும் சாராமல் இருப்பவர்
823. निरक्षः — புலன்களுக்கு அப்பாற்பட்டவர்
824. निखिलेक्षकः — எல்லாவற்றையும் (ஸாக்ஷி பாவத்துடன்) பார்ப்பவர்
825. नित्यधीः — அழிவற்ற ஞானம் உடையவர்
826. नित्यसंकल्पः — நித்யத்தையே (அடைய வேண்டும் என்ற) ஸங்கல்பம் கொண்டவர்
827. निधिस्थः — (மோக்ஷம் எனும்) பொக்கிஷத்தில் நின்றவர்
828. निरविद्यकः — அவித்யை அற்றவர்
829. नित्यवासी — நித்யமாகிய (பரம்பொருளில்) வசிப்பவர்
830. नित्यशुचिः — எப்போதும் தூய்மையாக இருப்பவர்
831. निर्लुब्धः — பேராசை இல்லாதவர்
832. निगमारिहा — வேத விரோதிகளை ஒழிப்பவர்
833. निरंजनः — (ஸம்ஸார) தோஷங்கள் அற்றவர்
834. नित्यपूज्यः — எப்போதும் வணங்கத்தக்கவர்
835. नित्यमुक्तः — எப்போதும் விடுதலையானவர் (ஸம்ஸார பந்தமே இல்லாதவர்)
836. निरीश्वरः — (தனக்கு) தலைவன் இல்லாதவர்
837. निष्कर्ता — (தன்னை) உருவாக்கியவன் அற்றவர்
838. निष्कृतिः — எதையும் சேர்த்துக்கொள்ளாதவர்

839. निःस्वः — தனது என்று ஒன்றுமில்லாதவர்
840. निष्कः — தங்கக்காசு (போன்றவர்)
841. निखिलवासभूः — அனைத்தும் வசிக்கும் இருப்பிடமானவர்
842. पुरीशः — (தேஹமாகிய) கோட்டையில் உறைபவர்
843. पूर्वगः — (அனைவருக்கும்) முன் செல்பவர்
844. पुण्यः — புண்யமானவர்
845. पूर्वनामी — முன்னோர்களை வணங்குபவர்
846. पुरुप्रियः — பலருக்கும் பிரியமானவர்
847. विख्यातवीर्यः — கொண்டாடப்படும் வீரம் மிக்கவர்
848. विद्येशः — வித்யைகளுக்கெல்லாம் அதிபதி
849. श्रीविद्याषोडशीगुरुः — ஸ்ரீவித்யையின் ஷோடஸி மந்த்ரத்துக்கு குரு
850. लक्ष्मीः — (அனைவராலும்) அடையாளம் காணப்பெறுபவர்
851. लक्ष्यः — (வேத வாக்யங்களால் நேரடியாக தெரிவிக்கவியலாமல்) மறைமுகமாக தெரிவிக்கப்படுபவர்
852. लक्ष्मणः — (ஸூபமான) அங்க லக்ஷணங்களை உடையவர்
853. लक्षणज्ञः — லக்ஷணங்களை அறிந்தவர்
854. लसत्पदः — ஒளிரும் ஸ்தானம் கொண்டவர்
855. हीमान् — அடக்கமானவர்
856. हंसगतिः — அன்னம் போன்ற (அழகுற) நகருபவர்
857. हंसः — அன்னம் (போல் நித்யாநித்யங்களை பிரிக்கத்தெரிந்தவர்)
858. हंसश्वेतहृदंबुजः — அன்னம் போன்ற வெண்ணிற இதயத்தாமரை கொண்டவர்
859. हंसमंत्रार्थतत्त्वज्ञः — ஹம்ஸ என்னும் மந்திரத்தின் தத்துவ பொருளை அறிந்தவர்

860. हंसवर्णः — ஸூர்யன் போன்ற நிறத்தினர்
861. हरिप्रियः — ஹரிக்கு பிரியமானவர்
862. हर्षामर्षसहः — மகிழ்ச்சியும் கோபத்தையும் சகித்துக்கொள்பவர்
863. हासकुशलः — (உள்ளிருக்கும் ஆனந்தத்தால்) சிரித்துக்கொண்டு சுகமாய் இருப்பவர்
864. हानिवृद्धिनुत् — மிகுவது குறைவது (இரண்டையும்) தள்ளிய (பரம்பொருளானவர்)
865. सभ्यः — ஸபையில் முன்னிற்பவர்
866. सभापतिः — ஸபைக்கு தலைவர்
867. स्वामी — (அனைத்திற்கும்) உரிமையாளர்
868. संभृतिः — (சேவை செய்பவர்களுக்கு அனுக்ரஹமாகிய) நல்ல ஊதியம் அளிப்பவர்
869. संभवापहः — (மீண்டும் மீண்டும்) பிறப்பதன் (அவசியத்தை) தவிர்ப்பவர்
870. हिवेरशीतलस्वांतः — விளாமிச்சை வேர் போல் குளிர்ச்சியாகவும் (வாசனையாகவும் உள்ள) மனதைக் கொண்டவர்
871. हीमतीहारितात्मभाक् — லஜ்ஜையுடவளாகிய (அம்பாளால் ஆனால் தைரியமாக) அபஹரிக்கப்பட்ட (பாதி) உடலைக் கொண்டவர்
872. लक्षिताशेषमंत्रार्थः — அனைத்து மந்த்ரங்களின் லக்ஷ்ய அர்த்தங்களையும் (அறிந்தவர்)
873. लक्षकोट्यंडनायकः — லக்ஷம் கோடி ப்ரம்மாண்டங்களுக்கு நாயகன்
874. ललितांगः — லளிதமான உடலைக் கொண்டவர்
875. लयज्ञाता — (பிரம்மத்துடன்) லயத்தை அறிந்தவர்
876. लब्धस्वः — தன்னை அடைந்தவர்
877. लब्धहर्षणः — கிடைத்த (தன் சொரூபமான ஆனந்தத்தில்) களித்திருப்பவர்
878. कंबुकंठः — சங்கு போன்ற கழுத்துடையவர்
879. कलिध्वंसी — கலியை துவம்சம் செய்பவர்

880. कल्याणात्मा — மங்களங்களில் உள்ளுறைபவர்
881. कलध्वनिः — அழகிய குரலுடையவர்
882. भूषितांतर्वाणिचक्रः — பண்டிதர்களின் கூட்டத்தை அலங்கரிப்பவர்
883. भूगः — பூமியில் அவதரித்தவர்
884. भूसुरसेवितः — பூமியில் வாழும் தேவர்களால் (அந்தணர்களால்) வணங்கப்பட்டவர்
885. यागवित् — யாகங்களை அறிந்தவர்
886. योगवित् — யோகத்தை அறிந்தவர்
887. युक्तः — காரியங்களில் தானே ஈடுபட்டவர்
888. यशोदः — புகழை அளிப்பவர்
889. यमप्रियः — சுய கட்டுப்பாட்டை விரும்புபவர்
890. ओंकारव्याहृतिव्यग्रः — ஓங்காரம் வியாஹ்ருதிகள் இவற்றில் இருந்து எண்ணங்களை நீக்காதவர்
891. नमितारातिमंडलः — எதிரிக்கூட்டத்தை (வாதில் வென்று) வணங்கச்செய்தவர்
892. नागशैलशिरश्वारी — நாக பர்வதத்தின் உச்சியில் ஸஞ்சரித்தவர்
893. रामगिर्याश्रमाश्रयः — ராமகிரி ஆஸ்ரமத்தை ஆஸ்ரயித்தவர்
894. वांछितार्थप्रदः — வேண்டிய செல்வத்தைத் தருபவர்
895. शर्वः — (உலகை தன்னுள் லயமாகும்படி) ஸம்ஹரிப்பவர்
896. अदीनः — ஏக்கமற்றவர்
897. मोदमेदुरः — மகிழ்ச்சியில் களித்தவர்
898. यतिचर्याविवेकज्ञः — யதிகளின் நடத்தையை ஆராய்ந்து அறிந்தவர்
899. यतधीः — (விசாரங்களில்) புத்தியைக் கட்டுப்படுத்தியவர்
900. यतभावनः — (வ்யவஹாரங்களில் மனோ)பாவத்தைக் கட்டுப்படுத்தியவர்

901. ओंकारी — ஓங்காரத்தையே (எப்பொழுதும் த்யானத்தில்) கொண்டவர்
902. वितताद्वैतश्रुतिन्यायः — அத்வைதத்தைக் (காட்டும்) வேத (வாக்யங்களையும்) ந்யாயங்களையும் விவரித்தவர்
903. कृपानिधिः — கருணைக்களஞ்சியம்
904. यन्ता — நிர்வஹிப்பவர்
905. यतमनाः — மனதைக் கட்டுப்படுத்தியவர்
906. यम्यः — (பக்திக்கு) கட்டுப்படுபவர்
907. यज्ञांगः — யஜ்ஞங்களை உறுப்புகளாகக் கொண்டவர்
908. यज्ञभूषणः — யஜ்ஞத்துக்கு ஆபரணம் போன்றவர்
909. यज्ञः — யஜ்ஞ (ஸ்வரூபி)
910. यज्ञपतिः — யஜ்ஞங்களுக்குத் தலைவர்
911. यज्वा — யஜமான (ஸ்வரூபியானவர்)
912. यज्ञभूः — யஜ்ஞங்களின் ஆதாரம்
913. यज्ञभावनः — யஜ்ஞங்களை நடத்துவிப்பவர்
914. कृपार्पितकरालंबः — கருணை கைகொடுத்து தூக்கிவிடுபவர்
915. विध्वस्तविधिः — விதியை மாற்றவல்லவர்
916. अंडसूः — ப்ரஹ்மாண்டத்தை உருவாக்கவல்லவர்
917. निखिलक्षमातलाचार्यः — பூமி முழுதுக்கும் ஆசார்யனானவர்
918. पाषंडमतखंडनः — போலி தத்துவங்களை உடைய மதங்களை கண்டித்தவர்
919. प्रतिष्ठापकमूर्धन्यः — உயர்ந்தவற்றை (தத்துவங்களை) நிலை பெறச்செய்தவர்
920. मताद्वयमहानयः — அத்வைதம் என்ற பெரும்பாதையை (வேதத்தின் கருத்தாக) தீர்மானித்தவர்
921. परिव्राजकधूर्वोढा — துறவிகளுள் முன்னிற்பவர்
922. अनंतधूः — அளவற்ற (உலகை) முன்நடத்துபவர்

923. अंतरांतरः — உள்ளாக்குள் உள்ளே (இருப்பவர்)
924. मुक्तः — (ஸம்ஸாரத் தளைகளிலிருந்து) விடுபட்டவர்
925. मुकुंदः — கொண்டாடப்படும் புனிதர்
926. मध्यस्थः — சார்பில்லாமல் (தீர்ப்பு அளிப்பவர்)
927. मददूरः — செருக்கிலிருந்து தூர (விலகியவர்)
928. मनोमयः — (பக்தர்கள்) மனத்தில் (உள்ள த்யான) வடிவானவர்
929. शांतः — (உலகமே) அடங்கிய (நிலையிலுள்ளவர்)
930. शुभंकरः — மங்களம் செய்பவர்
931. शुक्रः — தூயவர்
932. शूरः — (தர்மத்தைக் காப்பாற்றுவதில்) சூரர்
933. शोकविवर्जितः — சோகம் சிறிதும் அற்றவர்
934. भिक्षुः — துறவி வடிவினர்
935. तरक्षुः — (ஞானத்திற்கான) பாதையை செதுக்கியவர்
936. क्षमिता — பொறுமைசாலி
937. अक्षतिः — (வாதங்களில்) காயமடையாதவர்
938. साक्षतार्चनः — அக்ஷதைகளுடன் கூடி அர்ச்சனை செய்பவர்/செய்யப்படுபவர்
939. राजराजार्चितः — அரசர்களுக்கெல்லாம் அரசர்களால் பூஜிக்கப்பட்டவர்
940. रंज्यः — ரஸிக்கவைக்கக்கூடியவர்
941. रंजकः — ரஸிக்கவைப்பவர்
942. रश्मिमान् — ஒளி வீசுபவர்
943. रमः — மகிழ்பவர்
944. रमणः — மகிழ்விப்பவர்
945. रसवादी — ரஸவாதம் தெரிந்தவர்
946. रजताद्रिनिकेतनः — வெள்ளி(ப்பனி) மலையில் வசிப்பவர்

947. अस्थूलः — தூலமாக இல்லாதவர்
948. अनणुः — அணுவாக இல்லாதவர்
949. ह्रस्वः — (கட்டைவிரல் அளவு) குட்டையான (ஜீவ சொரூபமானவர்)
950. मनुः — மந்த்ர வடிவினர்
951. मेघा — ஞாபக ஸக்தி வடிவினர்
952. महामनाः — விசாலமான மனம் உடையவர்
953. बहुपादः — வெகு தூரம் நடந்து பயணித்தவர் / (விஸ்வரூபத்தில்) பல கால்கள் உடையவர்
954. बहुभुजः — (விஸ்வரூபத்தில்) பல தோள்கள் உள்ளவர்
955. बहुशीर्षः — (விஸ்வரூபத்தில்) பல தலைகள் உள்ளவர்
956. बहुप्रियः — பலர் அன்புக்கும் உரியவர்
957. नांतःप्रज्ञः — (ஸ்வப்னத்தைப் போல்) உள்பொருளைப் பார்க்காதவர்
958. नप्रज्ञः — (அனைத்துப் பொருள்களையும் ஒருசேர) பார்க்காதவர்
959. नबहिःप्रज्ञः — (விழிப்பைப் போல்) வெளிப்பொருளைப் பார்க்காதவர்
960. नाप्रज्ञः — சைதன்யமற்று இல்லாதவர்
961. प्रज्ञानघनः — திரண்ட அறிவு வடிவினர் (அறிவு தவிர வேறெதுவுமில்லாதவர்)
962. विज्ञानात्मा — ஸரீரத்திற்குள் இருந்து விஷயங்களை அறியும் விஞ்ஞான வடிவினர்
963. विलासकृत् — (அத்தகைய விஞ்ஞானங்களிலேயே) ஒளிர்பவர்
964. प्रियाप्रियस्पर्शहीनः — பிடித்தது பிடிக்காதது என்னும் உணர்வுகளால் பாதிக்கப்படாதவர்
965. अमृतः — அழிவில்லாதவர்
966. आकाशदेहवान् — ஆகாசத்தையே உடலாகக் (கொண்டு) உள்ளுறைபவர்
967. अभूमिः — நிலம் அல்லாதவர்

968. अजलः — நீர் அல்லாதவர்
969. अनग्निः — நெருப்பு அல்லாதவர்
970. अवायुः — வளி (காற்று) அல்லாதவர்
971. अनंबरः — வெளி (ஆகாயம்) அல்லாதவர்
972. अग्राह्यः — (கர்ம இந்த்ரியங்களால்) பிடிக்க இயலாதவர்
973. अद्रेश्यकः — (ஞான இந்த்ரியங்களால்) காண முடியாதவர்
974. अश्रोता — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) கேட்காதவர்
975. श्रोता — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) கேட்பவர்
976. कर्ता — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) செய்பவர்
977. अकर्तृकः — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) செய்யாதவர்
978. अगंधः — (உண்மையில்) மணமற்றவர்
979. असकः — சுவையில்லாதவர்
980. अरूपः — உருவில்லாதவர்
981. अस्पर्शः — தொட இயலாதவர்
982. अशब्दः — ஒலியற்றவர்
983. शब्दभाक् — (வேத) ஸப்தங்களை (தன்னைத் தெரிவிப்பவையாகக்) கொண்டவர்
984. मंता — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) நினைப்பவர்
985. अमंता — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) நினைக்காதவர்
986. अनुमंता — (மனம் விஷயங்களை நினைக்கையில் அதற்குள் இருப்பதால்) அதனை ஒட்டி பார்ப்பவர்
987. बोद्धा — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) தீர்மானிப்பவர்
988. अबोद्धा — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) தீர்மானிக்காதவர்
989. प्रबोधकृत् — (ஆத்மாவை அறிய வேண்டும் என்ற) விழிப்பூட்டுபவர்

990. एकः — (உண்மையில்) ஒன்றாக உள்ளவர்
991. अनेकः — (உலக நடப்பில்) பலதாக உள்ளவர்
992. केवलात्मा — (வெளி தொடர்பற்ற) தனி ஆத்மாவானவர்
993. सर्वः — எல்லாமும் ஆனவர்
994. संसारमोचनः — ஸம்ஸாரத்தில் இருந்து விடுவிப்பவர்
995. नित्यशुद्धः — எப்போதும் சுத்தர் ???
996. नित्यबुद्धः — எப்போதும் நல்லறிவானவர் ??
997. नित्यमुक्तः — எப்போதும் முக்தர் ஆனவர் ?
998. निराश्रयः — (தனக்கு) புகலிடம் (தேவை) இல்லாதவர்
999. हार्दविद्यातमश्चेत्ता — ஹ்ருதயத்தில் உள்ள அவித்யை என்னும் இருளை வெட்டுபவர்
1000. भक्तहृत्पद्मभास्करः — பக்தர்களின் இதயத் தாமரையில் சூரியனானவர்

